



04 - ऑपरेशन सिंदूर पर
ऐसे विवाद क्यों?



05 - नेहरू विचारों के
आईने में हम

A Daily News Magazine

मोपाल

मंगलवार, 27 मई, 2025



मोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 22, अंक 257, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रु. 2



06 - मौसम की मार से
मूंग फसल पकने में
60 की जगह लगेंगे...



07 - प्रकृति के लिए विचार
प्राथम्य करना किसान
संगोष्ठी का मुख्य...

कृषि



subahsaverenews@gmail.com



facebook.com/subahsaverenews



www.subahsavere.news



twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

तुम्हारे शहर का मौसम

बड़ा सुहाना लगे

मैं एक शाम चुरा लूं

अगर बुरा ना लगे

तुम्हारे बस में अगर

हो तो भूल जाओ हमें

तुम्हें भूलने में शायद

मुझे ज़माना लगे

हमारे प्यार से जलने

लगी है एक दुनिया

दुआ करो के किसी

दुश्मन की बढुआ ना लगे

जो डूबना है तो

इतने सुकूं से डूबो

के आस पास की लहरों

को पता ना लगे

तू इस तरह से मेरे

साथ बेवफ़ाई कर

के तेरे बाद मुझे

कोई बेवफा ना लगे

तुम्हारे शहर का मौसम

बड़ा सुहाना लगे।

- कैसर उल जाफरी

प्रसंगवश

क्यों नष्ट करने पड़े अमेरिका भेजे गए टनों भारतीय आम

संदीप राय

भारतीय आमों की खेप को अमेरिका ने अपने यहां पहुंचने के बाद रिजेक्ट कर दिया जिससे भारतीय आम निर्यातकों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा है। निर्यातकों का कहना है कि अमेरिकी अधिकारियों ने इन आमों को वापस लेने या नष्ट करने की सूचना संबंधित एक्सपोर्टर्स को दी थी। हालांकि पेरिशेबल प्रोडक्ट (जल्द खराब होने वाला उत्पाद) होने और भारी परिवहन खर्च के चलते भारतीय निर्यातकों ने इसे वापस भेजने की बजाय नष्ट करने का विकल्प चुना। एक निर्यातक ने बताया कि इससे निर्यातकों को लगभग पांच लाख डॉलर यानी करीब 4.2 करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा है। हालांकि भारत के फ्रेश वेजीटेबल्स एंड फ्रूट एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन (वाफ़ा) ने कहा है कि इस घटना के बाद से आम का एक्सपोर्ट जारी है और पिछले साल से अच्छा एक्सपोर्ट होने की उम्मीद है। वाफ़ा से जुड़े एक एक्सपोर्टर ने बताया कि रिजेक्शन के बाद से हर दिन 10 से 12 हजार आम की पेटियों का निर्यात किया जा रहा है। आठ और नौ मई को मुंबई से आमों की एक बड़ी खेप अमेरिका भेजी गई थी। वहां पहुंचने पर फूड एंड ड्रग्स एडमिनिस्ट्रेशन ने अमेरिकी अधिकारियों ने इस खेप को रिजेक्ट कर दिया था। निर्यातकों ने बताया कि करीब 15 से 17 टन आमों का शिपमेंट रिजेक्ट हुआ है। उनका कहना है कि इसे नष्ट कर दिया गया क्योंकि इसे वापस लाने और फिर से वापस भेजने में उन्हें और अधिक खर्च पड़ता। आमों की ये खेप अमेरिका के लॉस एंजेलिस, सैन फ्रांसिस्को और अटलांटा हवाई अड्डों पर उतारी गई थी।

एक निर्यातक ने बताया कि मुंबई से आम निर्यात करने से पहले कीड़ों को मारने और उनकी गुणवत्ता बनाए रखने के लिए नवी मुंबई स्थित एक फ़सेलिटी में इरेडिएशन की प्रक्रिया की जाती है, जो अमेरिकी कृषि विभाग (यूएसडीए) के एक अधिकारियों की देखरेख में होती है। इसके लिए निर्यातकों को एक सर्टिफ़िकेट दिया जाता है। लेकिन निर्यातकों का कहना है कि अमेरिका पहुंचने पर दस्तावेजों में कमी का हवाला देते हुए इन आमों को वापस लेने या नष्ट करने का आदेश जारी कर दिया गया। प्रभावित निर्यातकों ने बताया कि नोटिस में कहा गया था कि 'इस शिपमेंट में आगे जो भी होगा, उसका खर्च अमेरिकी सरकार नहीं उठाएगी।' निर्यातकों का कहना है कि यूएसडीए अधिकारी की ओर से जारी किया गया सर्टिफ़िकेट एक्सपोर्टर के पास मौजूद था। लेकिन भारत में मौजूद यूएसडीए अधिकारियों को आम के ट्रीटमेंट को लेकर कुछ संदेह हुआ इसलिए अमेरिका में उस सर्टिफ़िकेट को रद्द कर दिया गया। एक निर्यातक ने बताया, 'इरेडिएशन का जो ट्रीटमेंट होना था, वह हुआ, लेकिन अमेरिकी अधिकारियों को अमेरिका में ट्रीटमेंट के सर्टिफ़िकेट में कुछ कमी लगी। क्योंकि भारत में मौजूद यूएसडीए अधिकारी ने प्रॉपर ट्रीटमेंट को लेकर शक जाहिर किया था।' कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के अधिकारी पीबी सिंह ने बताया कि इरेडिएशन की प्रक्रिया मुंबई में महाराष्ट्र राज्य कृषि विपणन बोर्ड (एमएसएएमबी) और यूएसडीए के एनिमल एंड प्लांट हेल्थ इंस्पेक्शन सर्विस (एपीएचआईएस) की देखरेख में होती है। अमेरिका को होने वाले आम के निर्यात से पहले उसकी जांच के दौरान यूएसडीए की तरफ से उनके

इंस्पेक्टर मौजूद रहते हैं और वही निर्यातक को सर्टिफ़िकेट जारी करते हैं। वह आम के पूरे सीज़न यानी अप्रैल से अगस्त तक मौजूद रहते हैं। एमएसएएमबी ने इसी सप्ताह एक बयान जारी कर कहा था कि 'मसले के बारे में जरूरी एजेंसियों को या फैसिलिटी को पहले से ही बताने की बजाय उन्होंने (इंस्पेक्टरस ने) अमेरिका में अपने वरिष्ठ अधिकारियों से बात की, जिसके बाद आम के खेप रिजेक्ट कर दी गई।' भारत में इरेडिएशन की फैसिलिटी वाशी (नवी मुंबई), नाशिक, बंगलुरु और अहमदाबाद में है। एपीडा के अधिकारी के मुताबिक, 'प्रक्रिया के दौरान क्या हुआ, एमएसएएमबी अपने स्तर पर इस बारे में देख रही है। अधिकारी जांच कर रहे हैं कि चूक कहाँ हुई, ताकि आगे इस तरह की कोई समस्या न पैदा हो, इसके लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं।' रिजेक्शन का सामना करने वाले एक एक्सपोर्टर ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर बताया कि 'उन्हें 10 लाख रुपये से अधिक का नुकसान उठाना पड़ा है।' हालांकि उन्होंने कहा, 'इस घटना का ट्रेड वॉर से संबंध नहीं है और यह एक स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर है जो पेरिशेबल प्रोडक्ट समेत सभी उत्पादों पर लागू होता है।' वहीं आम निर्यातकों का कहना है कि 'भारत सरकार कई स्तरों पर निर्यातकों को मदद करने में नाकाम रही। वह कहते हैं, 'जिस तरह किसानों के लिए फसल बीमा का प्रावधान है, निर्यातकों के लिए ऐसी कोई सुविधा नहीं है। लॉजिस्टिक्स की भी भारी कमी है। सबसे बड़ी मुश्किल एयर फ्रेट पर लागू जीएसटी है। मान लीजिए अमेरिका में आम 2000 रुपये की दर से बिकता है, जिसका हवाई किराया ही 1200 बैठता है। इस किराए पर सरकार

18 प्रतिशत जीएसटी वसूल लेती है। यह रिफंडेबल है लेकिन इसे वापस पाने में दो से तीन महीने लग जाते हैं। इस बारे में वित्त मंत्री से ध्यान देने की अपील की गई है।' इस बार निर्यातकों को टांगें तक पहुंचने में भी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। महाराष्ट्र के एक मैगो एक्सपोर्टर ने बीबीसी से कहा कि अभी महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश के आम के आने का समय है जो आम तौर पर पांच जून तक जारी रहता है। इस दौरान अलफांसो, केसर, बंगनापल्ली, लंगड़ा, दशहरी समेत 10-12 किस्म के आम निर्यात किए जाते हैं। पिछले साल की तुलना में इस बार आम की फसल उतनी अच्छी नहीं है। इसके अलावा मौसम भी खराब है। महाराष्ट्र में आम का सीज़न मई के अंत तक या जून के प्रथम सप्ताह तक चलता था। लेकिन लंबे समय तक खराब मौसम के चलते 20 मई तक आम का आना लगभग खत्म हो गया है और अब गुणवत्ता वाले आम मिलना मुश्किल हो गए हैं।' भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 में भारत ने 4.8 करोड़ डॉलर मूल्य के कुल 27,330 मेट्रिक टन आम का निर्यात किया था। पिछले साल आम के पूरे सीज़न में अमेरिका को 2.43 मेट्रिक टन भारतीय आम निर्यात किए गए थे जो उससे पिछले साल यानी 2022-23 के मुकाबले 19 प्रतिशत अधिक था। भारत और अमेरिका के बीच 2007 में एक मैगो एक्सपोर्ट प्रोग्राम का समझौता हुआ था, जिसके तहत ही आम निर्यात से संबंधित नियम बने।

(बीबीसी हिंदी में प्रकाशित रिपोर्ट के संपादित अंश)

चैन की जिंदगी जियो, रोटी खाओ

वरना मेरी गोली तो है ही: पीएम मोदी

दाहोद में कहा-आतंकियों ने 140 करोड़ भारतीयों को चुनौती दी, हमने उनके ठिकाने मिट्टी में मिला दिए



अहमदाबाद (एजेंसी)। पीएम मोदी ने सोमवार को गुजरात के दाहोद में ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र किया। उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने 140 करोड़ भारतीयों को चुनौती दी थी। हमने भी आतंकी ठिकानों को मिट्टी में मिला दिया। मोदी ने कहा, आप बताइए... ऐसे हालात में क्या मोदी चुप बैठ सकता था। जब कोई हमारी बहनों के सिंदूर को मिटाएगा, तो उसका भी मिटना तय हो जाता है। पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा चैन की जिंदगी जियो, रोटी खाओ वरना मेरी गोली तो है ही।

आतंक फैलाने वालों ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि मोदी से मुकाबला करना कितना मुश्किल होता है। पीएम ने कहा, साथियों जिन्हें कोई नहीं पृच्छता उन्हें मोदी पृच्छता है। आदिवासी समाज में लोग पीछे रह गए हैं। उसमें भी पीछे रहने वाले लोगों की

चिंता मैं करता हूं। मैंने उनके लिए भी योजना बनाई। लाखों आदिवासी भाई बहनों को इसका लाभ मिल रहा है। मैं यहाँ रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए काम कर रहा हूं। आमसभा से पहले मोदी ने यहां रोड शो भी किया।

पीएम मोदी दो दिवसीय गुजरात दौरे पर हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद राज्य में यह उनका पहला दौरा है। वे सोमवार सुबह सबसे पहले वडोदरा पहुंचे और रोड शो किया। मोदी ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर सैन्य कार्रवाई नहीं है। ये हम भारतीयों के संस्कारों, हमारी भावनाओं की अभिव्यक्ति है। आतंक फैलाने वालों ने सपने में भी सोचा नहीं होगा कि मोदी से मुकाबला करना कितना मुश्किल होता है। बाल-बच्चों के सामने पिता को गोली मार दी। आज भी वो तस्वीरें देखते हैं तो खून खौल जाता है। ये 140 करोड़ भारतीयों को चुनौती दी थी।



स्पेस स्टेशन जाने से पहले क्वार्टरटीन हुए शुभांशु शुक्ला

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला एक्सिओम मिशन के तहत इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन जाने से पहले क्वार्टरटीन में चले गए हैं। उनके साथ मिशन के अन्य तीन एस्ट्रोनॉट ने भी शनिवार को क्वार्टरटीन में प्रवेश किया। शुभांशु ने कहा- मुझे पूरा भरोसा है कि एक्सिओम मिशन सफल होगा। यह कमर्शियल स्पेस पलाइट के लिए मील का पथर साबित होगा। एक्सिओम स्पेस ने एक कार्यक्रम में मिशन पर जाने वाले क्रू को विदाई दी। दरअसल, अंतरिक्ष में जाने से पहले क्वार्टरटीन एक जरूरी फेज होता है। इसमें पूरे क्रू को आइसोलेशन में रखा जाता है, ताकि वो पूरी तरह से स्वस्थ रहे और मिशन के दौरान उन्हें कोई संक्रमण ना हो। एक्सिओम मिशन 4 में चार देशों के चार एस्ट्रोनॉट 8 जून को 14 दिन के लिए स्पेस स्टेशन जाने वाले हैं। नासा और इसरो के बीच हुए एग्रीमेंट के तहत ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को इस मिशन के लिए चुना गया है। शुभांशु के साथ तीन और एस्ट्रोनॉट जाएंगे एक्सिओम 4 मिशन के चालक दल में भारत, पोलैंड और हंगरी के मेबर शामिल हैं।

स्पेन, इटली की मेट्रो के कोच भारत में बने

मोदी ने कहा, देश की तरक्की के लिए जो कुछ भी चाहिए, वो हम भारत में ही बनाए, ये आज के समय की मांग है। भारत आज तेज गति से मैनुफैक्चरिंग की दुनिया में आगे बढ़ रहा है। देश की जरूरत के सामान का निर्माण हो या फिर दुनिया के अलग-अलग देशों में हमारे देश की बनी हुई चीजों का एक्सपोर्ट लगातार बढ़ रहा है। ऑस्ट्रेलिया की मेट्रो के कोच गुजरात में बने हैं। मैक्सिको, जर्मनी, स्पेन, इटली की मेट्रो के कोच भारत में बने हैं। जॉर्मिया में मेड इन इंडिया ट्रेन चल रही है। मेड इन इंडिया चीजें विदेशों में देखकर हमारा सीना गर्व से ऊंचा हो रहा है पीएम ने कहा, दाहोद में तीन साल पहले मैं इसका शिलान्यास करने आया था। लोग कहते थे कि चुनाव आया तो उद्घाटन करने आ गए, कुछ बनने वाला नहीं है। लेकिन, आज यहां पहला इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव इंजन बनकर तैयार हो गया है।



भोपाल (नप्र)। उप राष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने कहा है कि खेती-किसानी देश की अर्थव्यवस्था की नींव है। यह हमारी प्रगति का मूल आधार है। कृषि के क्षेत्र में विकास और नित नयाचार जरूरी हैं, इससे कृषि के विकास से ही देश में समृद्धि आएगी। देश का उदर-पोषण करने वाले अन्नदाता की खुशहाली में ही हमारे देश की खुशहाली सन्निहित है। उप राष्ट्रपति श्री धनखड़ सोमवार को नरसिंहपुर जिला मुख्यालय में कृषि उद्योग समारोह-2025 के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़, राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दीप प्रज्वलन, कन्या पूजन एवं भगवान बलराम की मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित कर 26 से 28 मई तक चलने वाले तीन दिवसीय 'कृषि-उद्योग समारोह 2025' का विधिवत् शुभारंभ किया। इस अवसर पर डॉ. (श्रीमती) सुदेश जगदीप धनखड़ विशेष रूप से उपस्थित थीं।

मुख्यमंत्री की पहल अनुकरणीय

उपराष्ट्रपति श्री धनखड़ ने कृषि उद्योग समारोह के लिये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को बधाई देते हुए कहा कि उनकी इस पहल का अन्य राज्यों को भी अनुसरण करना चाहिए। किसान हमारे अन्नदाता हैं। अन्नदाताओं का अभिनंदन करते हुए कहा कि किसान भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। इनकी जितनी प्रशंसा की जाए कम है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव बेहद कर्मठ और कार्यशील हैं। कोई ऐसा दिन नहीं रहता, जब वे गांव, गरीब और किसान की चिंता न करें।

भारी बारिश से पानी-पानी हुई 'मुंबई' नगरिया

● अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन में मरा पानी, रेलवे स्टेशन-घरों में भी पानी ● मई में बारिश का 107 साल का रिकॉर्ड टूटा, पुणे में बादल फटा

लखनऊ (एजेंसी)। मुंबई में सोमवार सुबह से तेज बारिश हो रही है। हाल ही में शुरू हुई वलौं अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन में पानी भर गया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 1 मई को ही इसका उद्घाटन किया था। इधर घने बादलों की वजह से विजिबिलिटी लो है। इस वजह से 8 फ्लाइट्स प्रभावित हुई हैं। सड़कों पर भी लोग गाड़ियों की लाइट ऑन करके ड्राइव कर रहे हैं। बारिश के साथ मुंबई में 70 से 80 किमी की रफ्तार से हवा चली, जिससे कई इलाकों में पेड़ गिर गए हैं। बारिश के बाद कई जगह 7-8 किमी लंबा जाम लगा हुआ है। इधर पुणे में रविवार की तेज बारिश की वजह से नदी-नाले अचानक उफान पर आ गए। पुणे-सोलापुर हाईवे पर पाटस इलाके में बादल फटने से पुणे के



बारामती और इंदापूर में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई। बारिश के बाद यहां सड़कें पानी में डूब गईं। कई गाड़ियां 200 घंटे में पानी भर गया और कई गाड़ियां बह गईं। एनडीआरएफ की 2 टीमें रेस्क्यू के लिए तैनात की गई हैं। भारतीय मौसम विभाग ने बताया, मुंबई और उपनगरीय क्षेत्रों में दिन भर हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। मुंबई के सांताक्रूज के सुपारी टैंक और नारियल वाड़ी में सबसे ज्यादा 25 मिमी, पाली हिल में 24 मिमी, विले पार्ले और अंधेरी फायर स्टेशन ने 15 मिमी और 14 मिमी बारिश दर्ज की। चकल नगर गिंगम विद्यालय और मालवणी फायर स्टेशन में 11 मिमी और 12 मिमी बारिश हुई, जबकि वसोंवा पॉपिंग स्टेशन पर 14 मिमी बारिश रिकॉर्ड हुई।



पादरी से मिलने पाकिस्तान पहुंची नागपुर की महिला

● ऑनलाइन हुआ प्यार, कारगिल से बॉर्डर क्रॉस किया ● गिलगित में पकड़ी गई, पाक रेंजर्स ने वापस लौटाया

अमृतसर (एजेंसी)। नागपुर की रहने वाली 43 वर्षीय सुनीता जामंडे को पाकिस्तानी रेंजर्स ने अमृतसर के अटारी बॉर्डर पर बीएसएफ को सौंप दिया है। नागपुर की यह महिला पाकिस्तानी पादरी के प्यार में पड़कर 14 मई 2025 को कारगिल के हुंदरमन गांव से नियंत्रण रेखा पार कर आई थी।



यहां से वह गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में पहुंच गई। जानकारी के मुताबिक, सुनीता अपने 14 वर्षीय बेटे के साथ छुट्टियां मनाने लद्दाख गई थी, इस दौरान उसके अचानक लापता होने की बात सामने आई, वह अपने बेटे को होटल में छोड़कर गई थी। जांच में पता चला कि सुनीता दो पाकिस्तानी नागरिकों से बात कर रही थी। इनमें से एक पादरी था और दूसरा जुल्फिकार नाम का युवक था। उसके फोन रिकॉर्ड, सोशल मीडिया गतिविधियों और एएस से पता चला है कि वह पहले भी दो बार अटारी-वाघा बॉर्डर से पाकिस्तान जाने की कोशिश कर चुकी है, लेकिन तब सुरक्षा एजेंसियों ने उसे रोक लिया था। सूत्रों के मुताबिक, महिला ने कारगिल के जिस सीमावर्ती गांव से पाकिस्तान में प्रवेश किया।

पेयजल संकट को लेकर कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

नगरपालिका के सामने फोड़े मटके, नपाध्यक्ष-सीएमओ के खिलाफ की नारेबाजी

बैतूल। पेयजल संकट को लेकर कांग्रेसी पार्षद और कार्यकर्ताओं ने नगरपालिका के सामने मटके फोड़कर विरोध जताया। उन्होंने नपाध्यक्ष पार्वती बारस्कर, सीएमओ सतीश मटसेनिया के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कांग्रेसियों ने नपा कार्यालय के सामने धरना भी दिया। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर दो दिन में व्यवस्था नहीं सुधरी, तो वे बड़ा आंदोलन करेंगे। कांग्रेस जिलाध्यक्ष हेमंत वाग्रे ने बताया कि तासी नदी में पर्याप्त पानी है और शहर के अलग अलग वाडों में टयूबवेल भी है। इसके बावजूद नगरपालिका नियमित जलापूर्ति नहीं कर पा रही है। मई माह में सबसे ज्यादा पानी की दिक्रत उठनी पड़ी है। कई वाडों में तो पांच-पांच दिन पेयजल आपूर्ति नहीं की गई। नपा प्रशासन कृत्रिम जल संकट पैदा कर रहा है ताकि टैंकरों से जलापूर्ति की जा सके। नपा में नेता प्रतिपक्ष राजकुमार दीवान ने कहा कि नपा प्रशासन ने जल कर तो बढ़ा दिया है लेकिन जल आपूर्ति अनियमित है। लोगों को न तो पर्याप्त पानी मिल रहा है और न समय पर आपूर्ति हो रही है। कांग्रेसियों ने मांग की है कि सभी वाडों में नियमित रूप से पानी की सप्लाई दी जाए। अभी वाडों में पांच दिन में एक दिन नल आ रहा है। दो मोटर अतिरिक्त रूप से नगरपालिका में रखना चाहिए। तासी बैराज से पानी सप्लाई हेतु एक अतिरिक्त मोटर रखी जाए। नल कनेक्शन के लिए बढ़ाई गई राशि, पुराने दर पर की जावे। जल विभाग में स्थाई बाबू नहीं होने के कारण समस्या आ रही है, जल्द से जल्द स्थायी बाबू रखा जाए। पूरा गर्मी का माह बिताने के बावजूद मच्छर भगाने की मशीनों का उपयोग वाडों में नहीं किया गया। वाडों में मच्छर भगाने के लिए फागिंग मशीन से धुंआ किया जाये। इस संबंध में सीएमओ सतीश मटसेनिया ने बताया कि पेयजल संकट जैसे हालात नहीं हैं। बैराज में मोटरों के खराब होने और बिजली आपूर्ति ठीक न रहने के कारण पेयजल आपूर्ति में दिक्कत पैदा हुई, जिसे ठीक कर लिया गया है।

पाकिस्तान को खुफिया जानकारी भेजी, सीआरपीएफ जवान गिरफ्तार

● एनआईए बोला-आरोपी को पाकिस्तानी अधिकारियों से डिटेल के बदले पैसे मिले

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने दिल्ली से सीआरपीएफ के जवान मोती राम जाट को गिरफ्तार किया है। उस पर पाकिस्तान के खुफिया अधिकारियों को भारत की संवेदनशील जानकारी साझा करने का आरोप है। एनआईए के मुताबिक, 2023 से पाकिस्तान खुफिया अधिकारियों के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी डिटेल शेयर कर रहा था। मोती राम को अलग-अलग तरीकों से पैसे भी मिल रहे थे। मोती राम को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे 6 जून तक की करटडी में भेजा गया है। एनआईए उससे पूछताछ कर रही है। 24 मई को गुजरात एटीएस ने कच्छ से एक शरूख सहदेव सिंह गोहिल को गिरफ्तार किया था। गोहिल सेना की मौजूदा आर्मी यूनिट्स की फोटो-वीडियो वॉट्सएप के जरिए पाकिस्तानी एजेंट को भेजा करता था।



पाकिस्तान सरकार से सैलरी ले रही थीं। हिमंता ने पोस्ट में लिखा- कल एक सीनियर कांग्रेस नेता रिपुन बोरा ने चौकाने वाला कबूलनामा किया। बोरा ने माना कि कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई की ब्रिटिश पत्नी पाकिस्तान सरकार के पेराल पर थी। अगर यह सच है तो यह देश की राष्ट्रीय सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठाता है। देश के मुख्य विपक्षी दल के नेता की पत्नी और दुश्मन देश के बीच इस तरह के सीधे संबंध देश की एकता और सुरक्षा के लिए बहुत बड़ा खतरा है। हम पहले इस चौकाने वाले तथ्यों के बारे में नहीं जानते थे अब जब यह बात सामने आई है तो इसकी गंभीरता से जांच होनी चाहिए।

प्रियंका गांधी बन सकती हैं यूपी कांग्रेस की ‘बॉस’

● मुस्लिम चेहरा हो सकता है प्रदेश अध्यक्ष, पिछड़ों-दलितों को भी मिलेगी जिम्मेदारी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में राजनीतिक दल धीरे-धीरे चुनावी मोड़ में आ रहे हैं। लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के साथ मिलकर लड़ी कांग्रेस को भी यहां से उम्मीदें नजर आ रही हैं। यहां कांग्रेस को 6 सीटें मिलीं थीं। चर्चा जोरों पर है कि यूपी में चुनाव से पहले एक बार फिर प्रियंका गांधी को जिम्मेदारी दी जाएगी। दूसरी चर्चा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष को लेकर है। किसी मुस्लिम चेहरे को इसकी कमान दी जा सकती है। इसको लेकर दिल्ली में कांग्रेस की टॉप लीडरशिप में मंथन भी हो चुका है। सूत्रों के हवाले से खबर है कि कांग्रेस

आलाकमान प्रियंका गांधी को 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले यूपी का प्रभारी या चुनाव प्रभारी बनाने पर विचार कर रहा है। हाल ही में दिल्ली में एक बैठक हुई थी। जिसमें शुरुआती तौर पर चर्चा भी हुई। यूपी में अगर कांग्रेस मजबूत होती है, तो इसका फायदा केंद्र में मिलेगा। इससे पहले, 2019 से 2022 तक प्रियंका यूपी कांग्रेस की महासचिव और प्रभारी रह चुकी हैं। इस दौरान उन्होंने संगठन को मजबूत करने और स्थानीय नेताओं को एकजुट करने की कोशिश की। लेकिन, सीमित संसाधनों के कारण नतीजे नहीं मिले।



राष्ट्रपति शासन के खिलाफ इंपाल में जबरदस्त प्रदर्शन

● राजभवन घेरने पहुंचा मैतेई संगठन



इंपाल (एजेंसी)। मणिपुर में 13 फरवरी से लागू राष्ट्रपति शासन के खिलाफ इंपाल में मैतेई संगठन कोकोमी ने राजभवन का घेराव किया। बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों ने राजभवन में घुसने की कोशिश की, जिसके

उन्हें रिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इधर, मैतेई समूहों के निकाय कोकोमी का 7 सदस्यों वाला प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को दिल्ली में गृह मंत्रालय के अधिकारियों से मुलाकात करेगा। साथ ही मणिपुर की मौजूदा स्थिति और ग्वालताबी में सरकारी बस पर राज्य का नाम छिपाने को लेकर विवाद पर चर्चा करेगा। संयोजक खुरैजम अथौबा ने बताया कि मणिपुर अशांत दौर से गुजर रहा है, लोकप्रिय सरकार की जरूरत है। लोकप्रिय सरकार स्थानीय लोगों के मू्यों और लोकाचार को समझती है। अथौबा ने इंपाल में घटना के विरोध में प्रदर्शन कर रहे निहत्थे लोगों पर सुरक्षा कर्मियों द्वारा बल के प्रयोग पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, निहत्थे नागरिकों पर आक्रमण ठीक नहीं।

कोरोना की वापसी! गहरा सकता है ‘संकट’

● दिल्ली में 100 पार, केरल में सबसे अधिक ● देश भर में 1000 से ज्यादा ऐक्टिव केस हुए

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में एक बार फिर कोविड-19 संक्रमण के मामलों में धीरे-धीरे बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। स्वास्थ्य मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार, पिछले एक सप्ताह में भारत में कोविड-19 के कुल 750 नए मामले सामने आए हैं, जिनमें से सबसे अधिक संक्रमण केरल में 400 और दिल्ली 100 से अधिक केस रिपोर्ट किए गए हैं। देशभर में 1000 से अधिक ऐक्टिव केस हो गए हैं। देश के अधिकांश हिस्सों में कोरोना केसों की रफ्तार से लोगों में हड़कंध जखर है, लेकिन स्वास्थ्य मंत्रालय ने जनता से

घबराने की बजाय सावधानी बरतने की अपील की है। अधिकारियों के मुताबिक, फिलहाल संक्रमण की दर कम है और अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता बहुत सीमित है। बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और पहले से बीमार लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। केरल में बीते 24 घंटों में 335 नए केस सामने आए हैं, जिससे वहां सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 430 हो गई है। महाराष्ट्र में 153 नए संक्रमण मिले हैं और वहां अब 209 सक्रिय केस हैं। वहीं दिल्ली में 99 नए मरीजों के साथ कुल

ऐक्टिव केस 104 हो गए हैं। इनके अलावा गुजरात में 83, कर्नाटक में 47, उत्तर प्रदेश में 15 और पश्चिम बंगाल में 12 सक्रिय केस दर्ज किए गए हैं। बिहार में सोमवार को एम्स पटना के एक डॉक्टर और एक 31 साल के व्यक्ति में संक्रमण की पुष्टि हुई। यह कोरोना की मौजूदा लहर में राज्य का पहला मामला है। पिछले एक सप्ताह में कोविड-19 के 752 नए मामले सामने आए हैं। देश में कुल मामलों की संख्या 1,009 हो गई है। पिछले एक सप्ताह में केरल, महाराष्ट्र और दिल्ली में सबसे ज्यादा नए मामले सामने आए हैं। केरल में

335 नए मामले सामने आए हैं, जिसके साथ ही कुल ऐक्टिव मामले 430 हो गए हैं। महाराष्ट्र में 153 और दिल्ली में 99 नए मामले सामने आए हैं। दिल्ली में इस वक्त कुल 104 ऐक्टिव मामले हैं। इन शहरों के बाद गुजरात में 83 मामले दर्ज किए गए हैं। कर्नाटक में 47, उत्तर प्रदेश में 15 मामले दर्ज किए गए हैं। देश में कोविड के नए मामलों में अब तक 7 मौतें देश में कोरोना के बढ़ते नए मामलों के बीच अब तक 7 लोगों की मौत भी हुई है। कलवा अस्पताल में इलाज करा रहे 21 साल के कोविड मरीज की मौत हो गई।

पाकिस्तानी सैलरी पर थीं गोगोई की ब्रिटिश पत्नी

● असम सीएम बोले-सीनियर कांग्रेस नेता ने किया है कबूल ● कहा-अगर यह सच तो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा शर्मा ने सोमवार को कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई की विदेशी पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न के पाकिस्तानी कनेक्शन को लेकर फिर सवाल किया। उन्होंने एक्स पर ट्वीट किया, जिसमें सीनियर कांग्रेस नेता रिपुन बोरा के हवाले से बताया कि सांसद गौरव गोगोई की पत्नी



भारत के लिए ‘चिकन नेक’ बना अभेद्य किला

● चीन के दम पर उछलना भूल जाएंगे मोहम्मद यूनुस

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान जंग के बाद देश की पूर्वी सीमाओं की सुरक्षा को देखते हुए भारत ने एक बड़ा कदम उठाया है। उसने अपनी सबसे आधुनिक एस-400 ट्रायंग मिसाइल सिस्टम और राफेल जैसे फाइटरस को सिलीगुड़ी कॉरिडोर में तैनात किया है। यह कॉरिडोर पश्चिम बंगाल में है, जो भारत के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। सिलीगुड़ी कॉरिडोर एक पतला सा रास्ता है। यह सिर्फ 20-22 किलोमीटर चौड़ा है, जिसे ‘चिकन नेक’ भी कहा जाता है। यह भारत के मुख्य भूभाग को उत्तर-पूर्वी राज्यों से जोड़ता है। उत्तर-पूर्वी राज्य प्राकृतिक संसाधनों से भरे हुए हैं। ऐसे में यह कॉरिडोर भारत के लिए बहुत जरूरी है। डिफेंस सिक्योरिटी एशिया पर छपी एक रिपोर्ट के अनुसार, एस-400 मिसाइल सिस्टम बहुत ही शक्तिशाली है। यह एक साथ कई हवाई लक्ष्यों को मार सकता है। इसकी रेंज 400 किलोमीटर से भी ज्यादा है। भारत ने इसे चीन और बांग्लादेश की बढ़ती हवाई गतिविधियों को देखते हुए तैनात किया है।

● चीन के साथ नजदीकी बढ़ा रहे युनुस पर भी शिकंजा-सिलीगुड़ी कॉरिडोर हमेशा से भारत के लिए एक चिंता का विषय रहा है। डोकलाम के बाद से ही भारतीय सेना ने तेजी से कार्रवाई करने, हर तरह से मुकाबला करने और कॉरिडोर के आसपास हमेशा तैयार रहने पर ध्यान दे रही है। भारत ने यह कदम ऐसे समय में उठाया है जब बांग्लादेश में राजनीतिक बदलाव हो रहे हैं। मोहम्मद यूनुस की सरकार चीन के साथ नजदीकियां बढ़ा रही है। पहले बांग्लादेश की सरकार भारत के साथ अच्छे संबंध रखती थी। लेकिन अब युनुस की सरकार चीन और पाकिस्तान के साथ दोस्ती कर रही है। भारत इन दोनों देशों को अपना दुश्मन मानता है।

इजराइल का गाजा के स्कूल पर हमला, 30 लोगों की मौत

● शरणार्थी कैप बनाया गया था, स्पेन ने प्रतिबंध लगाने की मांग की

तेल अवीव (एजेंसी)। इजराइल ने रविवार देर रात गाजा में कई जगहों पर हमले किए। इन हमलों में एक स्कूल को भी निशाना बनाया, जिसमें 30 लोगों की मौत हो गई है। स्कूल में आग लगने से लोग जिंदा जल गए। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक यह एक किंडरगार्टन स्कूल था, जिसे शरणार्थी शिविर को तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा था। मरने



वालों में रेड क्रॉस के दो कार्यकर्ता, एक पत्रकार और कई बच्चे शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इजराइल के हमले में सोमवार को गाजा में अब तक 50 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। दूसरी तरफ स्पेन ने दुनिया भर के देशों से इजराइल पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। गाजा पर 23 मई को हुए इजराइली हमले में खान यूनुस की एक महिला डॉक्टर अल-नज्जर के 9 बच्चों की मौत हो गई, जबकि एक बच्चा गंभीर रूप से घायल है।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने केंद्रीय नागरिक उड्डयनमंत्री नायडू से की सौजन्य भेंट

विंध्य क्षेत्र में हवाई सेवाओं के विस्तार पर की चर्चा



भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने नई दिल्ली में केंद्रीय नागरिक उड्डयन

मंत्री श्री किंजरापु राम मोहन नायडू से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने विंध्य क्षेत्र में

हवाई सेवाओं के विस्तार पर सार्थक चर्चा की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रीवा से इंदौर, हैदराबाद, दिल्ली एवं प्रयागराज जैसे प्रमुख नगरों के लिए एटीआर-72 विमानों के माध्यम से नियमित उड़ानों की आवश्यकता एवं जनसामान्य की अपेक्षाओं से केंद्रीय मंत्री श्री नायडू को अवगत कराया।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि रीवा एयरपोर्ट से इन महानगरों के लिए हवाई संपर्क स्थापित होने से क्षेत्रीय व्यापार, शिक्षा, पर्यटन एवं स्वास्थ्य सेवाओं को नई गति मिलेगी तथा रीवा सहित पूरे विंध्य क्षेत्र को समावेशी विकास में समुचित स्थान मिलेगा। केंद्रीय मंत्री श्री नायडू ने प्रस्तुत सुझावों और मांगों पर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने का भरोसा दिलाया।

ग्वालियर में रिमझिम, अशोकनगर समेत कई जिलों में तेज बारिश नौतपा में भी आंधी-पानी वाला मौसम; इंदौर समेत 21 जिलों में अलर्ट

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में इस बार नौतपा में भी आंधी-बारिश वाल मौसम है। सोमवार को ग्वालियर में रिमझिम बारिश हुई। वहीं अशोकनगर, अगरमालवा समेत कुछ जिलों में तेज हवाओं के साथ पानी गिरा। मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों में 21 जिलों में तेज आंधी और बारिश होने का अलर्ट जारी किया है।

इनमें इंदौर, छिंदवाड़ा, सिवनी, बालाघाट, डिंडौरी, शिवपुरी, धार, खरगोन, बड़वानी में तेज आंधी चल सकती है। हवा की रफ्तार 50 किलोमीटर प्रतिघंटा तक रहेगी। इसी तरह बैतूल, मंडला, अनुपपुर, शहडोल, खंडवा, रतलाम में बारिश होने की संभावना है। मंदसौर, उज्जैन, अगरम-मालवा, राजगढ़, श्योपुर, अशोकनगर में भी मौसम बदला रहेगा।



पिछले 24 घंटे में 15 से अधिक जिलों में बारिश

पिछले 24 घंटे में 15 से अधिक जिलों में बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार, रायसेन, सागर, बुरहानपुर, बैतूल, छिंदवाड़ा, पांडुरंगा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी, उमरिया, शहडोल, अनुपपुर, सिंगरौली और नीमच जिलों में बारिश दर्ज की गई। वहीं, भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, ग्वालियर समेत पूरे प्रदेश में दिन के पारे में गिरावट रही। सिर्फ एक शहर खजुराहो में ही पारा 40 डिग्री पहुंचा।

रविवार को मंडला में आधा इंच पानी गिरा

रविवार को मंडला, छिंदवाड़ा, बैतूल समेत कई शहरों में पानी गिरा। मंडला में करीब आधा इंच पानी गिर गया। वहीं, भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, ग्वालियर समेत पूरे प्रदेश में दिन के पारे में गिरावट रही। यहां बादल छाए रहे। सिर्फ एक शहर खजुराहो में ही पारा 40 डिग्री पहुंचा। मौसम विभाग ने अगले 4 दिन तक प्रदेश में मौसम का मिजाज बदले होने की संभावना जताई है।

पचमढ़ी में पारा सबसे कम 29.2 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। मलाजखंड में 30.6 डिग्री, छिंदवाड़ा में 31 डिग्री, बैतूल में 31.5 डिग्री और सिवनी में 32 डिग्री दर्ज किया गया। बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में 34.8 डिग्री, इंदौर में 33.8 डिग्री, ग्वालियर में 38.5 डिग्री, उज्जैन में 35.5 डिग्री और जबलपुर में 34.5 डिग्री दर्ज रहा।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समन्वय समिति गठित

भोपाल (नप्र)। राज्य शासन द्वारा राज्य में 8वीं आर्थिक गणना, 2025-26 के सुचारु रूप से संचालन की तैयारियों, प्रगति की निगरानी तथा समस्याओं के समाधान के लिए मुख्य सचिव/मुख्य सचिव द्वारा नामित अधिकारी की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समन्वय समिति का गठन किया है।

समिति में प्रमुख सचिव, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, श्रम, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, वित्त, नगरीय विकास एवं आवास, राजस्व, महिला एवं बाल विकास, स्कूल शिक्षा एवं प्रतिनिधि, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एन.एस.ओ) क्षेत्र संकार्य प्रभाग (एफ.ओ.डी) सदस्य होंगे। अपर मुख्य सचिव, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी, सदस्य/राज्य चार्ज अधिकारी तथा आयुक्त, आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय को सदस्य-सचिव/ राज्य नोडल अधिकारी बनाया गया है।

समिति मुख्यतः आर्थिक गणना के संचालन में तैयारियों, प्रगति की निगरानी तथा आने वाली प्रशासनिक एवं तकनीकी समस्याओं का नियमित आधार पर समीक्षा और समाधान करेगी। राज्य में पर्याप्त संख्या में सुपरवाइजरों की तैनाती तथा मासिक आधार पर क्षेत्रीय कार्य की प्रगति की समीक्षा की जायेगी। राज्य में पूर्ण कवरेज सुनिश्चित करना, राज्य और एन.एस.ओ (एफ.ओ.डी) के पर्यवेक्षकों द्वारा किए पर्यवेक्षण के आधार पर डेटा की शुद्धता पर रिपोर्ट तैयार करना, व्यापारिक संगठनों और आम नागरिकों को हेतुओं के लिए सदनशील बनाना तथा जिला-स्तरीय प्राथमिकी के निगरानी करना तथा यदि कोई समस्या हो तो उसका समाधान समिति द्वारा किया जायेगा।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में त्रिस्तरीय पंचायतों में इंटरनेट कनेक्टिविटी एवं क्रियान्वयन के लिए समिति गठित

भोपाल (नप्र)। राज्य शासन ने राज्य की समस्त त्रिस्तरीय पंचायतों में इंटरनेट कनेक्टिविटी की उपलब्धता एवं अमेंडेड भारत नेट अभियान के बेहतर क्रियान्वयन तथा निरंतर समीक्षा के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में अमेंडेड भारत नेट समिति का गठन किया है।

समिति में अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव/ सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास, उर्जा, लोक निर्माण,वन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, संचालक सह-आयुक्त पंचायत राज संचालनालय सदस्य होंगे। मुख्य महाबन्धक, भारत संचार निगम लिमिटेड को सदस्य सचिव बनाया गया है।

समिति द्वारा प्रत्येक तिमाही में कम से कम एक बार अमेंडेड भारत नेट की बैठक और त्रिस्तरीय पंचायतों में इंटरनेट कनेक्टिविटी की समीक्षा की जायेगी।

11वीं कक्षा की छात्रा से रेप गर्भवती होने पर हुआ खुलासा, पिता के दोस्त के बेटे ने की थी ज्यादाती

भोपाल (नप्र)। सूखी सेवनिया इलाके में एक युवक तीन महीने से 11 वीं की छात्रा के साथ रेप कर रहा था। आरोपी पीड़िता के पिता के दोस्त का बेटा है और उसका घर आना जाना था। दुष्कर्म पीड़िता के प्रेमेन्ट होने पर मामले का खुलासा हुआ। तब परिजन किशोरी को लेकर थाने पहुंचे और केस दर्ज कर दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक पिपलिया बाज में रहने वाली 17 वर्षीय किशोरी कक्षा 11वीं की छात्रा है। उसके घर पर पिता के दोस्त के साले आकाश यादव का अकसर आना जाता रहता था। इस दौरान आरोपी युवक ने किसी तरह छात्रा का मोबाइल नंबर हासिल कर लिया। करीब तीन महीने पहले छात्रा जब घर में अकेली थी, तभी आरोपी युवक पहुंच गया और उसके साथ दुष्कर्म किया।

पेट दर्द का इलाज कराने पहुंची तब प्रेमेन्सी की खबर मिली- आरोपी लगातार पीड़िता का शोषण कर रहा था। कुछ दिन पहले पीड़िता को पेट में दर्द होने की शिकायत हुई तो उसने यह बात अपनी मां को बताई। इसके बाद परिजन उसे लेकर डॉक्टर के पास पहुंचे तो पीड़िता के गर्भवती होने का पता चला। बाद में अपने परिजनों के साथ थाने पहुंची पीड़िता ने आरोपी युवक के खिलाफ मामला दर्ज कराया।

निशातपुरा में पांचवीं मंजिल से युवक ने लगाई छलांग

विवाद के बाद गेट लॉक कर माता-पिता को घर के अंदर किया बंद; इलाज के दौरान मौत

भोपाल (नप्र)। भोपाल के निशातपुरा इलाके में रविवार देर रात माता-पिता से हुए विवाद के बाद गेट को बाहर से बंद कर एक युवक ने पांचवीं मंजिल से छलांग लगा दी। परिजनों ने उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज दौरान सोमवार तड़के उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

माता-पिता से हुआ था विवाद- निशातपुरा पुलिस के मुताबिक विशाल तोमर पुत्र लक्ष्मण सिंह तोमर (18) बीडीए कॉलोनी, नबी बाग में रहता था। दसवीं में फेल होने के बाद उसने पढ़ाई छोड़ दी थी। जबकि उसके पिता प्राइवेट कंपनी में सुपरवाइजर है।

रविवार रात उसकी अपने माता-पिता से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। इससे नाराज होकर

घर से बाहर निकला और मेनगेट को बाहर से बंद कर दिया। इसके बाद पांचवीं मंजिल पर पहुंचा और छलांग लगा दी।

पड़ोसियों को बुलाकर खुलवाया था गेट- परिजनों ने पड़ोसियों को बुलाकर बाहर से गेट खुलवाया और बाहर आकर देखा तो विशाल खून से लथपथ हलकों में जमीन पर पड़ा हुआ था। इसके बाद

परिजन उसे लेकर एक निजी अस्पताल पहुंचे, जहां कुछ देर बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

विशाल परिवार में सबसे छोटा लड़का था, जबकि उसका बड़ा भाई कटनी में नौकरी करता है, और बड़ी बहन की शादी हो चुकी है। माता-पिता के बदहवास होने की वजह से बयान दर्ज नहीं हो सके है। जिससे पता चल सके कि विवाद की वजह क्या थी।

किन्नर ने फांसी लगाकर सुसाइड किया

मौसी बोलीं भांजा किन्नर नहीं था, लिव इन पार्टनर से पूछताछ कर रही पुलिस

भोपाल (नप्र)। भोपाल के कोलार इलाके में रहने वाले किन्नर ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। घटना रविवार देर रात की है। लिव इन पार्टनर उसे अस्पताल लेकर पहुंचा था। जहां डॉक्टरों ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। इधर, मृतक की मौसी ने बड़ा खुलासा किया है। उनका दावा है कि भांजा किन्नर नहीं था। किन्नरों की संगत में किन्नर बनकर रहने लगा था। तीन दिन से लगातार सुसाइड करने की बातें कर रहा था। कोलार पुलिस के मुताबिक अब्बास नगर निवासी छोटू यादव उर्फ सीम्या किन्नर अब्बास नगर कोलार में रहती थी। वह मंगलवार रातली के साथ मांगती थी। दानिश नाम के अंटी चालक युवक के साथ एक कमरे में रहती थी। पास में ही उसका परिवार रहता था। रविवार देर रात सीम्या का शव उसके कमरे से बरामद किया। बाँडी फंदे पर लटकती थी, हालांकि कमरे की तलाशी में कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

मौसी का दावा बुरी संगत ने छोटू को किन्नर बनाया- मृतक छोटू की मौसी ने बताया कि भांजा सामान्य पुरुष था। बुरी संगत में किन्नरों की तरह रहने और मांगने लगा था। सुसाइड के तीन-चार दिन पहले से ही डिप्रेशन वाली बातें करने लगा था। आए दिन जान देने की बात कहता था। सब उसे समझाते थे लेकिन उसने सुसाइड कर लिया। हालांकि उसने किसी परेशानी का जिक्र कभी नहीं किया था।

पंचायतों में उपचुनाव कराने मतदाता सूची बनेगी

राज्य निर्वाचन आयोग ने जारी किया कार्यक्रम, एक माह में जुड़ेंगे-हटेंगे नाम

ऐसे चलेगा कार्यक्रम

मतदाता सूची बनाने वाले वेण्डर 30 मई को शिफ्टिंग, जांच और संशोधन के लिए चेकलिस्ट रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को देंगे। दाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन 5 जून को किया जाएगा। इस संबंध में मतदाताओं तथा जनप्रतिनिधियों को जानकारी देने के लिए 5 और 6 जून को स्टैंडिंग कमेटी की बैठक आयोजित की जाएगी।

मतदाता सूची के संबंध में दावे-आपत्तियां 5 से 11 जून तक प्राप्त की जाएंगी।

दावे आपत्तियों का निराकरण 17 जून तक किया जाएगा। इसके चेकलिस्ट 20 जून तक तैयार करके चेकलिस्ट में सुधार के बाद 21 जून को वेण्डर को उपलब्ध करा दिया जाएगा। फोटोयुक्त मतदाता सूची 23 जून तक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं वेण्डर द्वारा जनेरेट की जाएगी। इसे 23 जून को ही वेवसाइट पर अपलोड किया जाएगा।

हाथों में तीर-कमान लेकर पारंपरिक आदिवासी नृत्य भी किया।

पानी बचाने का संकल्प-केन्द्रीय कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान, विकसित भारत संकल्प पदयात्रा के दौरान जल जीवन मिशन की कलश यात्रा में शामिल हुए और मंच से जनता को जल संरक्षण के लिए संकल्प भी दिलाया। संकल्प दिलाते हुए शिवराज सिंह ने कहा कि हम शपथ लेते हैं कि जल का संरक्षण करेंगे और जल का विवेकपूर्ण उपयोग करेंगे। हम प्रतिज्ञा लेते हैं कि जल के इस बेशकीमती खजाने का उपयुक्त उपयोग करेंगे और जल को बर्बाद नहीं करेंगे। साथ ही अपने परिवार, मित्रों और पड़ोसियों को भी जल का उपयुक्त प्रयोग करने और जल को बर्बाद न करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। वहीं, शिवराज सिंह ने हितग्राहियों से चर्चा करते हुए जल संरक्षण की योजनाओं के संबंध में संवाद किया।

विक्रांत भूरिया बोले-एमपी रेप और शराब कैपिटल बनता रहा दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा-पूर्णकालिक गृहमंत्री की जरूरत, सीएम से मंत्रालय नहीं संमेल रहा

भोपाल (नप्र)। खंडवा जिले में आदिवासी महिला की गैंगरेप के बाद हत्या के मामले पर आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और विधायक डॉ विक्रांत भूरिया ने दिल्ली कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। भूरिया ने 31 मई को भोपाल आ रहे प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम को लेकर कहा, पीएम भोपाल के महिला सम्मेलन में आने से पहले ये सुनिश्चित करें कि मप्र में बहनों की सुरक्षा कैसे होगी?

रुह कपा देने वाली घटना हुई

भूरिया ने कहा, जिस तरह के जघन्य अपराध देश में हो रहे हैं कहीं न कहीं हम सबकी रुह कांप जाती है। ये अपराध लगातार बढ़ते जा रहे हैं, क्योंकि कहीं न कहीं ये सरकार और प्रशासन सो रहे हैं।

16 साल की बच्ची पर क्या बीत रही होगी- भूरिया ने कहा, मैं खुद एक डॉक्टर हूं तो सोच समझ



सकता हूं कि जब वो जिंदा होगी तब उसने कितनी यातनाएं और पीड़ा झेली होगी? और उन आरोपियों का मन एक बार भी नहीं पकरी होगा? उस 16 साल की बच्ची पर क्या बीत रही होगी, ये हम सोच भी नहीं सकते।

नजीराबाद में कार सवार को लूटने वाले गिरफ्तार

चालक की जब में रखी नकदी छीनकर भागे थे आरोपी, कार में सवार था परिवार

भोपाल (नप्र)। नजीराबाद में रविवार रात कार सवार युवक से लूट की घटना हो गई। दो बदमाशों ने बीच सड़क पर खड़े होकर कार रुकवाई थी। इसके बाद फिल्मी अंदाज में चाकू की नोक पर चालक की जब में रखी 25 सौ रुपए की नकदी छीन ली। घटना के समय कार में परिवार सवार था। पीड़ित ने घटना के बाद थाने पहुंचकर एफआईआर दर्ज कराई। सोमवार को पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर आरोपी प्रकाश मीणा और उसके नाबालिग साथी को गिरफ्तार कर लिया है।

थाना प्रभारी कृष्ण सिंह ने बताया लटेरी निवासी प्रमोद शर्मा अपनी कार किराए पर चलाते हैं। रविवार को उनके पास हरोशंगाबाद की बुकिंग थी। वह गांव के ही परिवार को लेकर निकले। वह अभी नजीराबाद पहुंचे थे। ग्राम आमलिया की पुलिस पर दो युवक बीच सड़क पर खड़े दिखे। दोनों अपने हाथों में लकड़ी लिए थे। कार करीब आने पर दोनों नहीं हटे। कार रुकते ही दोनों करीब आए और अड़ीबाजी करने लगे। दोनों ने प्रमोद को कार से नीचे उतार लिया और मारपीट शुरू कर दी। चाकू की नोक पर जब में रखे 2500 लूट लिए। घटना के बाद थाने पहुंचे प्रमोद ने पूरी कहानी पुलिस को बताई। पुलिस ने तत्दीक कर बदमाशों की पहचान की और दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

जीन्स पहनने के विवाद में हत्या

बड़े भाई ने छोटे भाई का गला रेत दिया, भागने से पहले स्टेशन से पकड़ा गया

भोपाल (नप्र)। भोपाल के भीम नगर में रहने वाले युवक की गला रेतकर हत्या कर दी गई। आज सुबह 5:30 बजे पड़ोसियों ने हत्या की जानकारी पुलिस को दी। हत्याकांड को मृतक के बड़े भाई ने अंजाम दिया। दरअसल छोटे भाई ने बड़े भाई की जींस पहन ली थी। इसी बात से बड़ा भाई नाराज था। दोनों में पहले मारपीट हुई फिर बड़े भाई ने वारदात को अंजाम दिया। मामले में अरेरा हिल्स पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर आरोपी को हिरासत में ले लिया है।

एसआई राजेश तिवारी ने बताया कि 55 वर्षीय मुन्ना गिरी भीमनगर में रहते हैं। पत्नी की मौत हो चुकी है और उनके दो बेटे हैं, बड़ा बेटा ओमकार गिरी (22) और छोटा विवेक गिरी (19) हैं। दोनों शादी पार्टियों में वेंटर के तौर पर काम करते हैं। रविवार-सोमवार की दरमियानी रात करीब 1 बजे विवेक घर लौटा था। उसने बड़े भाई ओमकार गिरी को जींस पहनी हुई थी।

उसके घर लौटते ही विवेक ने अपने कपड़े पहनने को लेकर छोटे भाई से विवाद शुरू कर दिया। दोनों में काफी समय तक बहस हुई और बात मारपीट तक पहुंच गई। इससे गुस्सा होकर ओमकार ने अपने घर में रखे चाकू से छोटे भाई विवेक की गर्दन पर हमला कर दिया। हमले में विवेक की मौके पर ही मौत हो गई थी।

आरोपी बोला पिता को पीटता था छोटा भाई

आरोपी ओमकार गिरी ने पुलिस को दिए बयानों में बताया कि विवेक आए दिन उसके कपड़े और जूते पहन लेता था। समझाने पर बदसलूकी करता था। पिता का भी ध्यान नहीं रखता था। उनके साथ बदसलूकी और मारपीट करता था। दोनों भाई पूर्व में कई बार एक-दूसरे की शिकायत लेकर थाने पहुंच चुके हैं।

पुण्यतिथि पर विशेष

डॉ. चित्रा माली

लेखक महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कोलकाता क्षेत्रीय केंद्र की प्रभारी हैं।



ग्रे नविली ऑस्टिन अमेरिकी स्नातक छात्र थे जो भारतीय संविधान के निर्माण पर एक शोध पत्र लिख रहे थे और उन्हें यह जानने में काफी दिलचस्पी थी कि भारतीय संविधान के निर्माण में नेहरू किन मूल्यों के साथ खड़े थे। 27 मई 1964 की दोपहर को जैसे ही नेहरू की मृत्यु की खबर उन्हें मिली वे सीधे तीनमूर्ति भवन पहुंच गए जहां गमगीन भारतीयों की भीड़ जमा थी। ऑस्टिन अपनी डायरी में लिखते हैं कि श्‍सभी अंदर जाना चाहते थे लेकिन वे इंतजार करने के लिए तैयार थे। इतनी बड़ी संख्या में होने के बावजूद भीड़ वहां अनुशासित तरीके से खड़ी थी और किसी तरह का शोरशराबा नहीं हो रहा था। प्रधानमंत्री के कर्मचारी, राजनेताओं, मंत्रियों और राजनायकों को एक-एक कर भवन के अंदर ले जा रहे थे। नेहरू जी के अंतिम दर्शन के लिए डॉ. सैयद महमूद वरिष्ठ स्वतंत्रता सेनानी भी आए थे जो नेहरू के साथ कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी और जेल में भी साथ रहे थे। ऑस्टिन ने उन्हें रोते हुए देखा और कैबिनेट मंत्री जगजीवन राम उन्हें ढाँढस बंधा रहे थे। वाकई यह नेहरू की कल्पनाओं के भारत का एक प्रतीकात्मक दृश्य था। एक अछूत व्यक्ति एक मुसलमान समुदाय के व्यक्ति को ढाँढस बंधाता हुआ एक सवर्ण हिंदू के आवास पर ले जा रहा था। आजाद भारत की एक चौथाई आबादी मुसलमानों और अछूतों की थी। 1947 से पहले दो नेताओं ने बड़ी गंभीरतापूर्वक कांग्रेस के दावे को चुनौती दी थी कि कांग्रेस पूरे हिंदुस्तान की नुमाइंदगी करती है। पहले नेता थे मोहम्मद अली जिन्ना जिन्होंने आरोप लगाया था कि गांधी और नेहरू की पार्टी सिर्फ हिंदुओं का प्रतिनिधित्व करती है। दूसरे नेता बी.आर. अंबेडकर थे जिन्होंने आरोप लगाया था कि कांग्रेस सभी हिंदुओं का प्रतिनिधित्व नहीं करती बल्कि सिर्फ ऊंची जातियों का प्रतिनिधित्व करती है। इन आरोपों का पुरजोर विरोध किया गया। गांधी खुद अंबेडकर के राजनीति में प्रवेश से काफी पहले से ही छुआछूत का विरोध करते आ रहे थे और उन्होंने हिंदू-मुस्लिम भाईचारे के लिए अपना जीवन तक कुर्बान कर दिया था। गांधी जी के कहा था कि सही अर्थों में स्वराज तभी आ पाएगा जब यह जातिएधर्म और लिंग भेद से परे सभी हिंदुस्तानियों के लिए आए। ये ही प्रतिबद्धताएँ नेहरू ने गांधी से हासिल

की थी। गांधी से प्रेरित और नेहरू द्वारा निर्देशित भारतीय संविधान ने छुआछूत को दूर कर दिया और धर्म के मामले में राज्य की निरपेक्षता की व्यवस्था की। संविधान के तहत ऐसी व्यवस्था की गई, लेकिन सवाल यह था कि व्यवहार में यह किस प्रकार काम कर रहा था। नए-नए आजाद हुए मुल्क में जितनी भी चुनौतियाँ आयी थी उनमें से ये चुनौती सबसे जटिल थी। भारत में हिंदुओं की तादाद अधिक थी और वे राजनीति में भी सक्रिय या कहें प्रभावशाली थे इसलिए एक नए भारत की परिकल्पना की परीक्षा इस कसीटी पर होनी थी कि यह विभिन्न समुदायों के भारतीयों के अधिकारों और उनकी आजादी का कितना ख्याल रखता है। पाकिस्तान के गठन ने हिंदू साम्प्रदायिक ताकतों में नई जान फूंक दी थी। जिसके फलस्वरूप नए आजाद देश में मुसलमानों की देश के प्रति प्रतिबद्धता को संदेह के घेरे में खड़ा कर दिया था और उन्हें देश के प्रति अपनी स्वामिभक्ति को बार.बार सिद्ध करना पड़ रहा था। 1950 में एक अमेरिकी मनोवैज्ञानिक द्वारा किए गए सर्वेक्षण में साफ़तौर पर जाहिर हुआ कि भारतीय मुसलमानों में असुरक्षा का भाव है। उन्होंने जिन-जिन मुसलमानों से बात की थी वे उत्तर और पश्चिमी भारत के शहरों के बाशिंदे थे और शक और भय के वातावरण में जी रहे थे। उनमें से एक ने कहा कि 'हमें पाकिस्तानी जासूस के तौर पर देखा जा रहा है'। दूसरे ने कहा कि 'हिंदू इलाकों में रहना खरते से खाली नहीं है'। तीसरे ने कहा कि हिंदू समुदाय के लोग मुसलमानों को जब कोई सामान बेचते हैं तो वे भारी कालाबाजारी कीमत वसूलते हैं। मुसलमान कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए महज भारत के प्रति स्वामिभक्ति की घोषणा काफी नहीं थी, बल्कि उन्हें अपनी घोषणा का व्यावहारिक सबूत भी देना था। यह स्पष्ट नहीं

है कि प्रधानमंत्री ने भारत सरकार के कुछ चुनिंदा कर्मचारियों की वफादारी की जांच के बारे में अपनी सहमति दी थी या नहीं। लेकिन हम इतना अवश्य जानते हैं कि मुसलमानों की स्थिति पर उनका दृष्टिकोण सरकार के अन्य मंत्रियों से बिल्कुल भिन्न था। जैसा कि उन्होंने



सरदार पटेल को लिखे पत्र में कहा था वे महज इस आधार पर मुसलमानों से बदला लेने और भारत के मुसलमानों को दंडित करने की बात की आलोचना करते हैं कि पाकिस्तान में हिंदुओं को प्रताड़ित किया जा रहा है। इस तर्क से मैं जरा भी प्रभावित नहीं हूं। मैं इस बारे में निश्चित हूँ कि बदला लेने और दंडित करने की यह नीति भारत और पाकिस्तान दोनों ही देशों को बर्बाद कर देगी। प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू संवैधानिक जिम्मेदारी के तहत अपने सभी नागरिकों और खासतौर पर मुसलमानों को सुरक्षा का एहसास दिलवाना चाहते थे। नेहरू ने अपनी इस प्रतिबद्धता को व्यक्त करने के लिए पत्रों की श्रृंखला में पटेल सहित सभी प्रदेशों के मंत्रियों को भी पत्र

लिखे। हमारे देश में एक मुस्लिम अल्पसंख्यक समाज है और उसकी तादाद इतनी बड़ी है कि वे चाह कर भी कहीं नहीं जा सकते हैं। यह एक मौलिक तथ्य है जिस पर कोई बहस नहीं हो सकती है। पाकिस्तान की तरफसे जो भी उकसावे की कार्यवाही हो या वहां के अल्पसंख्यकों को जिस किसी भी अमानवीयता और आतंक से गुजरना पड़े हमें अपने अल्पसंख्यकों के साथ सभ्य तरीके से पेश आना है। हमें उन्हें पूर्ण सुरक्षा देनी है और उन्हें एक लोकतांत्रिक देश के नागरिकों को मिलने वाले सभी प्रकार के अधिकार मिलने चाहिए। अगर हम ऐसा करने में नाकाम होते हैं तो हमारे देश में एक बजबजाता हुआ फोड़ा पैदा हो जाएगा जो आने वाले वक़्त में हमारी पूरी राजनीतिक प्रणाली को खत्म कर देगा। पत्र में वे आगे लिखते हैं कि प्सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम अपनी नागरिक सेवाओं को सांप्रदायिक राजनीति के विषाणु से मुक्त रखें। प्रधानमंत्री नेहरू ने गांधी जी के जन्मदिन के अवसर पर ऐसे अफसरों को चेतवानी दी कि ये बड़ी संख्या में हमारे मुस्लिम देशवासियों के मन में अनिश्चितता का वातावरण और असुरक्षा की भावना पैदा करने से बाज आएं। पाकिस्तान ने अपने आप को इस्लामिक राष्ट्र घोषित किया है उसके बरसस हमने भारत को सेक्युलर राष्ट्र कहा है जहां उसके सभी नागरिकों, निवासियों को उनके धर्म की पूरी सुरक्षा है। हमें अपने आदर्शों और अपनी घोषणाओं के प्रति अडिग रहना है। सबसे बड़ी बात गांधी जयंती के अवसर पर हमें याद रखनी चाहिए कि गांधी जी ने हमें क्या सिखाया था और क्यों उन्होंने अपनी जान की

कुर्बानी दी थी। देश के पहले आम चुनाव के अभियान के दौरान नेहरू ने साम्प्रदायिक संगठनों को खासतौर पर अपने निशाने पर रखा और भारत को हिंदू पाकिस्तान न बनने देने पर लड़ा और जीता भी। फिर भी नेहरू उन हिंदुस्तानियों के अधिकारों के प्रति चिंतित थे जिनकी संस्कृति और विश्वास बहुसंख्यक समाज के विश्वासों और संस्कृति से अलग थे। नेहरू ने पत्रों की श्रृंखला के एक पत्र में लिखा कि अगर भारत को एक धर्मनिरपेक्ष, स्थायी और मजबूत राष्ट्र बनना है तो हमारा पहला काम यह होना चाहिए कि हम अपने अल्पसंख्यकों को बिना भेदभाव के उनका उचित हिस्सा प्रदान करें और इस तरह से उन्हें भारत में पूर्ण रूप से पारिवारिक एहसास दिलाएं। आजादी के एक दशक से भी अधिक समय बीत जाने पर 1959 में एक भारतीय संपादक ने जो नेहरू की नीतियों के कटु आलोचक और विरोधी थे वे उनकी दो उपलब्धियों को रेखांकित करते हैं। वे उपलब्धियां थीं धर्मनिरपेक्ष राज्य का निर्माण और अछूत जातियों के लिए समान अधिकारों का प्रावधान। बंटवारे के बाद सक्रिय हुई प्रतिक्रियावादी शक्तियों के उठान को याद करते हुए संपादक ने लिखा है कि अगर नेहरू ने जरा भी कमजोरी दिखाई होती तो ये ताकतें भारत को एक हिंदू राज्य में तब्दील कर चुकी होतीं जिसमें अल्पसंख्यकों को जरा भी सुरक्षा और अधिकार हासिल नहीं हो पाता। इस बात का सदाबहार श्रेय भी नेहरू को ही जाता है कि उन्होंने अछूत जातियों को बराबरी का अधिकार देने पर जोर दिया ताकि सार्वजनिक जीवन में और सरकारी क्रियाकलापों में भारत की धर्मनिरपेक्ष राज्य व्यवस्था में मनुष्य की बराबरी को पूरी तरह कायम रखा जा सके। नेहरू की नए भारत की परिकल्पना और प्रतिबद्धता आज भी उन्हें प्रासंगिक बनाए हुए है जिसमें वर्तमान समस्याओं के समाधानों को भी खोजा जा सकता है।

पुण्यतिथि विशेष

डॉ. संजय कुमार

लेखक दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर हैं।



स्वतंत्रता सेनानी एवं संस्कृत विद्या के समुपासक डॉ. इंद्रचंद्र शास्त्री का जन्म 27 मई 1912 को हरियाणा के सिरसा जिला के डबवाली ग्राम में हुआ था। शास्त्री जी के पिता का नाम श्री लाल बीरबल दास सिंगला और माता का नाम आशा कौर था। यह वही समय था जब देश की राजधानी कोलकाता से दिल्ली लाने की बात चल रही थी और स्काटहोम स्वीडन में ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेल का आयोजन किया जा रहा था, साथ ही भारत सरकार अधिनियम 1912 जिसमें कई नवीन राज्यों की स्थापना आदि महत्वपूर्ण कार्य भी उसी समय किए गए थे।

यदि साहित्य की बात की जाए तो गीतांजलि की भावप्रवणता से पूरा विश्व परिचित हो चुका था। भारतीय साहित्य चेतना एक बार पुनः विश्व को अनुर्र्जित कर रही थी। ऐसे समय में शास्त्री जी का जन्म होता है। शास्त्री जी परतंत्रता की पीड़ा को बहुत समीप से देखे थे, वे देश, समाज, संस्कृति, अशिक्षा और बेरोजगारी की समस्या से अलग थे जिसका मूल कारण परतंत्रता को ही मानते थे।। परतंत्रता मनुष्य के लिए अभिशाप स्वरूप है जिससे मुक्त होना मानव का कर्तव्य है। शास्त्री जी भारतीय जीवनचर्या

से बहुत प्रभावित थे, चारों ओर आपसी प्रेम, सद्भाव ही उस परतंत्रता के काल में सबका संरक्षक बना हुआ था। लेकिन भारतीयों के दुःख और पीड़ा को देखकर वे बहुत द्रवित भी रहते थे। इसलिए वे महात्मा गांधी से प्रभावित होकर के स्वतंत्रता आंदोलन में केवल सम्मिलित ही नहीं हुए बल्कि देश की स्वतंत्रता में अपना अमूल्य योगदान भी दिए। डॉ. इंद्रचंद्र शास्त्री ने बीकानेर, आगरा विश्वविद्यालय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय आदि से संस्कृत की शिक्षा प्राप्त की थी जिसका सकारात्मक पक्ष भी उनके जीवन में दिखाई पड़ता है। उनका मानना था कि शिक्षा सर्वस्व है इसलिए सभी मनुष्य को शिक्षा मिलनी चाहिए तथा यह भी कहते थे कि शिक्षा हमें केवल लिपियों का ज्ञान नहीं करती है बल्कि पूर्णरूप से मानव बनती है। यह मानव जीवन शिक्षा के द्वारा ही परिष्कृत होता है,भारतीय संस्कृति जीवंतता की संस्कृति है। वह पग -पग पर मनुष्य का केवल संस्कार ही नहीं करती है बल्कि उसके भावी जीवन को सुधारने का मार्ग भी प्रशस्त करती है। शास्त्री जी अपने समय के संस्कृत विद्वानों में अन्यतम थे। उनकी ज्ञान शक्ति और तेजस्विता से पूरा संस्कृत जगत प्रभावित था।

वे साहित्य-संस्कृति आलोचना के प्रतीक पुरुष थे। वे दार्शनिक और आलोचक दोनों थे। जितना अध्ययन उनका काव्यशास्त्र पर था उतना ही वे व्याकरण धर्मो समझते थे। बताया जाता है कि उन्होंने लगभग 70 पुस्तकें और 600

से अधिक शोध पत्रों का लेखन कार्य किया था। जिसमें से कुछ श्रेष्ठ ग्रंथ इस प्रकार हैं- मानव और धर्म, भारत की आर्य भाषाएं, अपरिग्रह दर्शन, पालिभाषा और साहित्य, संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास, महाभारत के सूक्ति रत्न, आलोक और उन्माद, हमारी परम्परा, धर्म और राष्ट्र निर्माण, जैनचम एंड डेमोक्रेसी आदि। सभी ग्रन्थों भारतीय भाषा, साहित्य,धर्म, संस्कृति पर गहन विचार किया गया है। भारत की संस्कृति जीवन के सभी क्षेत्रों में मनुष्य का संस्कार करने वाली संस्कृति है ,वह मनुष्य के सदैव चरित्र निर्माण, कर्म,त्याग, परिश्रम पर बल देती है तथा उसे प्रोत्साहित करती है- उठो जागो और अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ो। विश्व अपना कुटुम्ब है।

वे धर्म के विषय में स्पष्टवादी थे वे कहते थे कि धर्म का जन्म परस्पर सद्भावना और प्रेम को लेकर के हुआ है तथा राजनीति का शत्रुता, शोषण, उत्पीड़न और आक्रमण के लिए हुआ है। धर्म कर्तव्य को महत्व देता है और राजनीति अधिकार को इसलिए धर्म और राजनीति एक साथ नहीं चल सकते। वस्तुतः धर्म हमारे आचरण का विषय है जो पवित्रम जीवन व्यवहार की अपेक्षा रखता है। धर्म को स्पष्ट करते हुए एक आख्यान प्रस्तुत करते हैं कि महावीर जब तपस्या कर रहे थे देवराज इन्द्र उनके पास आए और कहने लगे भगवन आप इतना कष्ट क्यों कर रहे हैं? मैं अपने वज्र के बल से सारे संसार को आपका अनुयाई बना देता हूँ,

सभी आपके चरणों पर नतमस्तक हो जाएंगे। भगवान महावीर ने उत्तर दिया अहिंसा में स्वयं इतनी शक्ति है कि उसे हिंसा का सहारा लेने की आवश्यकता नहीं है।

हिंसा का सहारा लेने वाली अहिंसा अहिंसा नहीं रह जाती है। योग सूत्र में भी पतंजलि कहते हैं- अहिंसा प्रतिघ्नयां तत्सन्निधौ वैर त्यागः। अर्थात् अहिंसा की दृढ़ स्थिति हो जाने पर योगी का सब प्राणियों से वैर भाव समाप्त हो जाता है और मनुष्य पशु आदि सभी से उसका शत्रु भाव समाप्त हो जाता है। वह किसी को भयभीत न करता है न होता है क्योंकि वह सबको अपना लेता है,आत्मसात कर लेता है। उसके अन्दर मंगल बुद्धि आ जाती है,वह साम्य बुद्धि वाला बन जाता है। यही मनुष्य जीवन का सुख है, इसलिए आध्यात्मिक परंपराओं में कथन है कि सुख का स्रोत स्वयं तुम्हारे भीतर है।

डॉ. शास्त्री जी धर्म एवं संस्कृति के ज्ञाता तो थे ही साथ ही दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के अध्यक्ष पद (1959 ई.) का कुशलता पूर्वक निर्वहन उनकी प्रशासनिक दक्षता को भी प्रमाणित करता है। अखिल भारतीय साहित्य सम्मेलन के सचिव पद का सम्यक निर्वहन तथा 1957 ई. में ऑल इंडिया ओरिएंटल कॉन्फ्रेंस का सफलतापूर्वक आयोजन शास्त्री जी की कार्यकुशलता का परिचायक है। आप दिल्ली विश्वविद्यालय तथा अन्य राष्ट्रीय समितियों के सम्मानित सदस्य,अन्य प्रशासनिक

दायित्व का निर्वहन करने वाले राष्ट्र सेवी पुरुष हैं। शास्त्री जी के अकादमिक योगदान के लिए भारत सरकार के द्वारा मरणोपरांत राष्ट्रपति सम्मान तथा दिल्ली सरकार के द्वारा मदनलाल खुराना पुरस्कार दिया गया है। दिल्ली विश्वविद्यालय के समीप शक्ति नगर में नगिया पार्क से गुजरने वाले मुख्य मार्ग का नाम डॉ.इंद्रचंद्र शास्त्री मार्ग रखा गया है। ध्यातव्य है कि भारत सरकार के डाक विभाग द्वारा 27 में 2004 को शास्त्री जी की स्मृति में 5 रुपए का डाक टिकट भी जारी किया गया था जो संस्कृत जगत के लिए हर्ष का विषय है।

इस प्रकार डॉ. इंद्रचंद्र शास्त्री अनवरत संस्कृत विद्या, साहित्य, दर्शन की उपासना करते रहे और नित नूतन साहित्यिक, सांस्कृतिक ,वैयकारणिक और दार्शनिक विषयों को बहुत ही सहज भाषा में प्रकाशित करते रहे, जिससे विद्वानों को सुख तो मिलता ही था साथ ही भारतीय सांस्कृतिक विरासत की पहचान विश्व पटल बनती रहती थी। साहित्य और संस्कृति का निरंतर में परिकार कर मनुष्य में श्रेष्ठ जीवन मूल्यों का आधान कराना उनके जीवन का लक्ष्य था,उनका एक सुन्दर भारत व्यवं बनाने का स्वप्न था जहाँ लोग निरापद जीवन यापन करें। लेकिन अपने स्वप्न को अकादमिक वंशजों के ऊपर छोड़कर 3 नवंबर 1986 ई. को अपने भौतिक शरीर को त्याग कर यश शरीर को अंगीकार कर लिया।

पं. जवाहरलाल नेहरू की विदेश नीति में पाकिस्तान

विभाजन के दौरान ब्रिटिश भारत की संपत्तियों का बंटवारा हुआ, जिसमें सरकारी खजाने और नगद संपत्ति का हिस्सा पाकिस्तान को देना तय हुआ । समझौते के तहत पाकिस्तान को 75 करोड़ रुपये देने थे, जिनमें से 20 करोड़ रुपये का भुगतान हो चुका था । शेष 55 करोड़ रुपये को लेकर विवाद तब बढ़ा, जब पाकिस्तान समर्थित कबायलियों ने जम्मू-कश्मीर पर हमला किया । हालाँकि सरदार पटेल इस भुगतान के विरोध में थे, लेकिन नेहरूजी ने लार्ड माउंटबैटन की सलाह और अंतरराष्ट्रीय दायित्वों का सम्मान करते हुए पाकिस्तान को 55 करोड़ रुपये की शेष राशि देने का समर्थन किया । गांधीजी का भी मानना था कि इस राशि का भुगतान दोनों देशों के बीच विश्वास बहाल करेगा और सांप्रदायिक तनाव को कम करेगा ।

भेजकर राष्ट्रीय एकता और सुरक्षा सुनिश्चित की। उन्होंने कश्मीर मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र में उठाया, जिससे 1949 में कराची समझौता हुआ,और युद्धविराम रेखा स्थापित हुई। संयुक्त राष्ट्र सैन्य पर्यवेक्षक समूह की स्थापना और जनमत संग्रह इसी समझौते का हिस्सा थी। यह स्थायी समाधान नहीं था, पर तत्काल शांति सुनिश्चित हुई। नेहरू की कश्मीर नीति की भारतीय जनसंघ जैसे दलों ने आलोचना की, संयुक्त राष्ट्र में गोपालस्वामी आर्यंगार को भेजने और जनमत संग्रह की सहमति को राष्ट्रहित के खिलाफ बताया। उन पर प्रखर राष्ट्रवाद के अभाव और निजी आकांक्षाओं से प्रेरित होने के आरोप लगे, जो आज भी चर्चा में हैं। किंतु हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि कश्मीर की भौगोलिक और राजनीतिक महत्ता को सबसे पहले नेहरूजी ने गहराई से समझा। उनके सभी निर्णय कश्मीरी जनता के दीर्घकालिक हितों और भारत की अखंडता को ध्यान में रखकर लिए गए थे, न कि किसी व्यक्तिगत स्वार्थवशा।

बंटवारे के समय लाखों लोग शरणार्थी बनकर सीमाएँ पार कर रहे थे, जिससे मानवीय संकट उत्पन्न हुआ। नेहरूजी ने शरणार्थियों के पुनर्वास और सुरक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाए। इसी पृष्ठभूमि में 8 अप्रैल 1950 को नेहरूजी और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री लियाकत अली खान ने लियाकत-नेहरू समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा, शरणार्थियों की संपत्ति की वापसी या मुआवजा, और नागरिक अधिकारों की गारंटी जैसे



प्रावधान थे। भारत-पाक संबंधों में स्थिरता लाने की दिशा में यह समझौता एक निर्णायक कदम है। इस समझौते ने विभाजन के बाद नागरिकता और अल्पसंख्यक अधिकारों के मुद्दों को अप्रत्यक्ष रूप से संबोधित किया और नागरिकता अधिनियम, 1955 के निर्माण पर परोक्ष प्रभाव डाला। नेहरू-नून पैक्ट 1958 के अंतर्गत भारत और पाकिस्तान ने सीमा विवाद सुलझाने हेतु सहमति बनाई। इसमें वर्तमान में बांग्लादेश स्थित बेरबड़ी

क्षेत्र के बंटवारे, सीमा पर स्थित एन्क्लेव्स के आपसी हस्तांतरण, और दोनों देशों में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने जैसे बिंदु शामिल थे। नेहरूजी की कूटनीति का एक और बड़ा आयाम सिंधु जल समझौता (1960) था, जो नौ वर्षों की वार्ता के बाद संभव हुआ। सिंधु और उसकी सहायक नदियों के जल के बंटवारे को लेकर, विश्व बैंक की मध्यस्थता से नेहरूजी और पाकिस्तानी राष्ट्रपति अयूब खान ने इस पर सहमति बनाई। इस समझौते के तहत पूर्वी नदियाँ (रावी, ब्यास, सतलुज) भारत के हिस्से में आई और पश्चिमी नदियाँ (सिंधु, झेलम, चिनाब) पाकिस्तान को आवंटित की गईं, लेकिन भारत को सीमित उपयोग की अनुमति दी गई। एक स्थायी सिंधु आयोग की स्थापना की गई, जिसे इस समझौते की निगरानी का दायित्व सौंपा गया। नेहरू ने संसद में विश्व बैंक की मध्यस्थता का बचाव करते हुए कहा कि यह संधि भारत और पाकिस्तान दोनों के लिए फायदेमंद होगी। हालांकि, विपक्षी सांसदों ने इसका विरोध किया, इसे ‘आत्मसमर्पण की संधि’ करार दिया और चेतवानी दी कि पाकिस्तान का भविष्य में मित्र बने रहना अनिश्चित है। बाद में जब विरोधी दल सत्ता में आए, तो उन्होंने न तो इस संधि को रद्द किया और न ही पाकिस्तान से संबंध सुधारने के प्रयासों से पीछे हटे।

शांति, कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बल देने के कारण नेहरूजी की विदेश नीति को अक्सर ‘आदर्शवादी’ कहा जाता है । उन्होंने पंचशील सिद्धांत

और गुटनिरपेक्ष आंदोलन के जरिए भारत की स्वतंत्र विदेश नीति को सुदृढ़ किया। 1953 में उनके नेतृत्व में आयोजित एशियाई देशों के नई दिल्ली सम्मलेन में आगे बांडुंग में अफ्रो एशियाई देशों के सम्मेलन में पाकिस्तान की भी भागीदारी रही। 1950 के बाद पाकिस्तान ने कश्मीर सहित जल और अल्पसंख्यकों के मुद्दे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाए, जिनका नेहरूजी ने द्विपक्षीय वार्ता और कूटनीति से प्रभावी जवाब दिया।

नेहरूजी मानते थे कि साझा इतिहास और संस्कृति वाले भारत-पाकिस्तान को विश्वास और सहयोग के साथ आगे बढ़ना चाहिए। उनके अनुसार, विकास के लिए शांति जरूरी है, लेकिन इसका अर्थ बाह्य आक्रमण के प्रति निष्क्रिय रहना नहीं है। उन्होंने अपनी विशिष्ट राजनीतिक शैली से उस भारत माता का जयघोष सम्पूर्ण विश्व में गूंजा दिया, जो उनकी दृष्टि में कोई काल्पनिक देवी नहीं, बल्कि समस्त भारतवर्ष के स्त्री-पुरुष, भाई-बहनों का जीवंत प्रतीक है। नेहरूजी के नेतृत्व और कूटनीतिक कौशल ने भारत-पाक बंटवारे को सुगम बनाया और भारत को शांतिप्रिय, नैतिक व वैश्विक दायित्व निभाने वाला राष्ट्र बनाया। नेहरूजी की नीतियाँ भारत-पाक संघर्ष में शांति, संवाद और कूटनीति के महत्व को रेखांकित करती हैं। उनकी विरासत भारत को प्रेरित करती है कि क्षेत्रीय तनावों का समाधान सैन्य शक्ति के साथ-साथ नैतिकता, सहयोग और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से करे, ताकि दक्षिण एशिया में स्थायी शांति और समृद्धि हो।

संक्षिप्त समाचार

ग्रीष्मकालीन मूंग में खरपतवारनाशकों के उपयोग को करें हतोत्साहित

सीहोर (निप्र)। ग्रीष्मकालीन मूंग में खरपतवारनाशकों के उपयोग से लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। खरपतवारनाशकों को हतोत्साहित करने की कोशिश करें। प्राकृतिक और जैविक खेती को बढ़ावा मिले। स्वाभाविक फसलों की पैदावार पर विशेष जोर दिया जाए। फसलों का उत्पादन बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गत दिवस कहा कि किसानों को रासायनिक उर्वरकों के स्थान पर उन्नत किस्म के बीज, आधुनिक कृषि यंत्रों, अच्छा भाव, अनुदान आदि का प्रोत्साहन मिले। श्रीअन्न रागी, कोदो-कुटकी, मक्का, ज्वार, बाजरा की फसलों को प्रोत्साहन दिया जाए। इन फसलों के उत्पादक क्षेत्र को अच्छी पैदावार करने के लिए प्रोत्साहन मिले। आवश्यकता अनुसार अनुदान की राशि भी बढ़ाई जाए।

आपूर्तिकर्ता एजेंसी की अनुमति के बिना संचालित फ्यूल पंप पर की गई कार्रवाई

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिला आपूर्ति अधिकारी श्री सुनील बोहित, सहायक आपूर्ति अधिकारी एवं जाँच दल द्वारा आष्टा के जावर जोड़स्थित साहिल बायो फ्यूल पंप को आपूर्तिकर्ता एजेंसी की अनुमति के बिना संचालित करने पर 4759 लीटर डीजल जब्त कर पंप को सील कर दिया गया है। जब्त किए गए डीजल की कीमत 03,33,130 रुपये है। इसके साथ ही पंप से फ्यूल के सैंपल भी लिए गए। इसी प्रकार जांच दल द्वारा आष्टा के मालीबांथा स्थित साई फिलिंग स्टेशन (फ्यूल पंप) पर मूलभूत सुविधाएँ नहीं पाने जाने आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किया गया है।

आयुष विभाग ने बच्चों एवं युवाओं को करवाया योगाभ्यास

बैतूल (निप्र)। कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशानुसार आयुष विभाग द्वारा 21 मई को मेजर ध्यानचंद हॉकी मैदान पर बच्चों एवं युवाओं को योगाभ्यास करवाया गया। जिला आयुष अधिकारी डॉ.योगेश चौकीकर ने बताया कि यह योगाभ्यास 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी के तारतम्य में करवाया गया एवं प्रतिदिन बच्चों और युवाओं को योगाभ्यास करने के लिए प्रेरित किया गया। जिला आयुष विभाग एवं जिला खेल युवा कल्याण विभाग ने बुधवार को सुबह संयुक्त रूप से हॉकी खेल मैदान पर योगाभ्यास सत्र का आयोजन किया। जिसमें सभी बच्चों एवं युवाओं ने अपनी रुचि दिखाई। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस नोडल अधिकारी डॉ. सरिता डेहरिया, योग प्रशिक्षक जवनीत पवार, कराटे कोच महेंद्र सोनकर, तैक्वो साहू एवं हॉकी कोच अजय मिश्रा, कबड्डी कोच सुंदर धुवे द्वारा योगाभ्यास में सक्रिय भूमिका निभाई गई।

भिलाई के किसान राहुल ने कस्टम हायरिंग सेवा से बदली अपनी तकदीर

बैतूल (निप्र)। जिले के ग्राम भिलाई निवासी कृषक राहुल पवार ने आधुनिक कृषि यंत्रों के माध्यम से न केवल अपनी खेती को लाभदायक बनाया है, बल्कि आसपास के गांवों के किसानों को भी इसका लाभ पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कृषि अभियांत्रिकी विभाग द्वारा संचालित कस्टम हायरिंग सेवा केंद्र योजना के अंतर्गत ट्रैक्टर, रोटावेटर, सीड्रिल, ट्रॉली, कल्टीवेटर और थ्रेशर जैसे कृषि यंत्र क्रय किए हैं। कृषक राहुल पवार को इस योजना के अंतर्गत कुल 25 लाख रुपए की राशि बैंक से ऋण स्वरूप प्राप्त हुई, जिसमें शासन द्वारा 10 लाख रुपए की अनुदान सहायता भी प्रदान की गई। इस आर्थिक सहयोग से उन्होंने आधुनिक यंत्रों से सुसज्जित सेवा केंद्र की स्थापना की है। राहुल पवार ने बताया कि अब वे न केवल अपनी खेती में उन्नत तकनीकों का उपयोग कर रहे हैं, बल्कि ग्राम भिलाई सहित आसपास के कई गांवों में इन यंत्रों के माध्यम से सेवा उपलब्ध करवा रहे हैं। इससे उन्हें अच्छी आमदनी हो रही है और ग्रामीण क्षेत्र के अन्य किसान भी लाभान्वित हो रहे हैं।

प्रकृति के लिए विचार प्रारम्भ करना किसान संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य : श्री मोहन नागर

कृषक उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन

बैतूल (निप्र)। मप्र जन अभियान परिषद और भारत भारती शिक्षा समिति के संयुक्त तत्वावधान में मूंग की वैकल्पिक फसलों को उपजाने के लिए कृषकों को प्रेरित-प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक दिवसीय कृषक सम्मेलन सह-कार्यशाला का आयोजन 24 मई को भारत भारती परिसर बैतूल में किया गया। जिसके उद्घाटन सत्र में मां भारती के समक्ष अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर संगोष्ठी का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मप्र जन अभियान परिषद उपाध्यक्ष व राज्यमंत्री दर्जा श्री मोहन नागर, श्री सुजीत जी शर्मा, मप्र जन अभियान परिषद



शासी निकाय सदस्य श्री बुधपाल ठाकुर, श्री अनिल अग्रवाल, मप्र जन अभियान परिषद कार्यपालक निदेशक डॉ बकुल लाड उपस्थित रहे। कार्यशाला में चयनित कृषकों को मप्र जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष श्री मोहन नागर ने बताया कि मिट्टी सुपोषण, मानव स्वास्थ्य और स्वस्थ पर्यावरण की दिशा में यह आयोजन किया जा रहा है, जिसमें कृषक समुदाय की सहभागिता

महत्वपूर्ण होगी। ऋतु अनुसार हमारा शरीर है, उसी अनुसार हम कृषि करते हैं। प्रकृति के लिए विचार प्रारम्भ करना संगोष्ठी का उद्देश्य है। मूंग को रसायन मुक्त खेती करने के लिए पशु संपदा, गो माता पालन को पुनः करना होना।अपने बाड़े में पशुपालन पुनः शुरू करें, जिससे हमें रासायनिक मुक्त मूंग की कृषि को सहारा मिले। कार्यपालक निदेशक डॉ.बकुल लाड ने अपने उद्घोधन में कहा

प्रधानमंत्री की पीएमएफएमई योजना से मिला सहयोग घर से शुरू किया कच्ची घानी तेल का व्यवसाय

स्वावलंबी महिलाएं, सशक्त राष्ट्र

बैतूल (निप्र)। प्रदेश सरकार इस वर्ष लोक माता अहिल्या बाई की 300वीं जयंती मनाने जा रही है। शासन के प्रयासों से प्रदेश की महिलाएं सशक्त हो रही है और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को पूरा करने में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित कर रही है। ऐसी ही एक कहानी बैतूल मुख्यालय के टिकरी निवासी श्रीमती स्वाति बारस्कर की है, जो किसी भी आम गृहिणी की नहीं, बल्कि एक ऐसी महिला की है, जिसने अपने जीवन के कठिन अनुभवों से प्रेरणा लेकर न सिर्फ अपने परिवार की सेहत को नया जीवन दिया, बल्कि समाज में भी शुद्धता और स्वास्थ्य का संदेश फैलाने का बीड़ा उठाया। आज श्रीमती स्वाति बारस्कर नारी सशक्तिकरण, स्वदेशी उत्पादों के प्रचार और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता की एक मिसाल बन चुकी हैं। श्रीमती स्वाति ने बताया कि उनके ससुर का साइलेंट हार्ट अटैक से निधन हो गया था। इस घटना को बोते एक साल ही हुआ था कि उनकी सासू मां की भी हृदय गति रुकने से मृत्यु हो गई। यही नहीं उनके



पति को भी हृदय संबंधी समस्याएं हुईं और डॉक्टर ने एंजियोग्राफी की सलाह दी। इन हदसों से आहत होकर श्रीमती स्वाति ने अपने घर में इस्तेमाल होने वाले खाद्य तेल को बदलने का निर्णय लिया। उन्होंने डॉक्टर की सलाह और खुद की जागरूकता से रिफाईंड तेल का उपयोग पूरी तरह बंद कर दिया और

पारंपरिक तरीके से तैयार किया गया लकड़ी कच्ची घानी का तेल उपयोग में लाना शुरू किया। स्वास्थ्य को सर्वोपरि मानते हुए उन्होंने यहीं से एक नया रास्ता चुना और कच्ची घानी तेल का व्यवसाय शुरू किया। इस पहल को सफल बनाने में उन्हें उद्योगिकी विभाग के अधिकारियों का सहयोग मिला और प्रधानमंत्री

पहचान बताई। किसान कल्याण तथा कृषि विभाग उपसंचालक डॉ आनंद कुमार बड़ोनिया ने भी इस किसान उन्मुखीकरण कार्यशाला में किसानों को मूंग में रसायन के दुष्प्रभाव जैसे कैन्सर के मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही हैं अतः मूंग को रसायन मुक्त उगाने या उसके विकल्प के रूप में लगाने पर प्रोत्साहित किया।

किसानों ने जैविक खेती को भी देखा

कार्यशाला के दौरान सभी कृषकों ने भारत-भारती परिसर में हो रही जैविक खेती को भी देखा एवं समझा। कार्यशाला के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। बैतूल, नर्मदापुरम और हरदा के कृषकों, कृषि वैज्ञानिक सहित 100 लोगों ने सहभागिता की। मप्र जन अभियान परिषद से संभाग प्रभारी श्री सैयद जाफरी, जिला समन्वयक हरदा, नर्मदापुरम, बैतूल के जिला एवं विकासखण्ड समन्वयकों ने भी सहभागिता की।

स्वाति ने स्थानीय लोगों को भी दिया रोजगार

इस योजना के तहत उन्होंने घर से ही लकड़ी कच्ची घानी तेल का व्यवसाय प्रारंभ किया, जिसका उद्देश्य न सिर्फ शुद्ध और प्राकृतिक तेल का उपयोग करना था, बल्कि अन्य लोगों को भी शुद्ध तेल के उपयोग के लिए प्रेरित करना था। उनकी यह पहल केवल एक व्यवसाय नहीं रही, बल्कि एक जन-जागरण का माध्यम बन गई। श्रीमती स्वाति का यह व्यवसाय धीरे-धीरे सफल हुआ और उन्होंने इस काम के माध्यम से अन्य स्थानीय लोगों को भी रोजगार देना शुरू कर दिया। इससे न केवल उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ, बल्कि परिवार का स्वास्थ्य भी बेहतर हो गया। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यदि सरकार की योजनाओं का सही लाभ लिया जाए, तो आम लोग भी आत्मनिर्भर बन सकते हैं।

बारिश में करंट से बचने के लिये एडवायजरी जारी

विदिशा (निप्र)। मॉनसूनी मौसम के दौरान हवा में नमी के कारण करंट लगने की आशंका ज्यादा रहती है। करंट से लोगों की मौत हो जाती है। लेकिन ज्यादातर मौतों को टाला जा सकता है। ज्यादातर मौतें घरों में अर्थिंग नहीं होने या कमजोर अर्थिंग की वजह से होती है। अर्थिंग या तो स्थानीय स्रोत से प्राप्त की जा सकती है या घर पर ही गहरा गड्ढा खोदकर खुद बनाई जा सकती है। बारिश में बिजली से होने वाली दुर्घटनाओं से बचने के लिए विद्युत विभाग द्वारा एडवायजरी जारी की गयी है। जारी एडवायजरी में घर में अर्थिंग की उचित व्यवस्था रखें। हरे रंग के तार को हमेशा याद रखें , इसके बिना कभी बिजली उपकरण का प्रयोग न करें, खास कर जगह यह पानी के स्रोत को छू रहा हो। पानी करंट के प्रवाह की गति को बढ़ा देता है, इसलिए नमी वाले माहौल में अतिरिक्त सावधानी रखें। दो पिन वाले बिना अर्थिंग के उपकरणों का

प्रयोग न करें। तीन पिन वाले प्लग का प्रयोग करते समय ध्यान रखें कि तीनों तार जुड़े हों और पिन खराब न हों। तारों को साकेट में लगाने के लिए माचिस की तीलियों का प्रयोग न करें। किसी भी तार को तब तक न छुएं, जब तक बिजली बंद न कर दी गई हो। अर्थिंग के तार को न्यूट्रल के विकल्प के तौर पर प्रयोग न करें। सभी जोड़ों पर बिजली वाली टेप लगाएं, न कि सेलेटेप या बंडेड। गीजर के पानी का प्रयोग करने से पहले गीजर बंद कर दें। हीटर प्लेट का प्रयोग नगी तार से साफ न करें। घर पर सूखी रबड़ की चप्पलें पहनें। घर पर मिनी सर्किट ब्रेकर और अर्थ लीक सर्किट ब्रेकर का प्रयोग करें। मेटलिक बिजली उपकरण पानी के नल के पास न रखें। रबड़ के मैट और रबड़ की टांगों वाले कुत्तर स्टैंड बिजली उपकरणों को सुरक्षित बना सकते हैं। केवल सुरक्षित तारों और प्यूज का ही प्रयोग करें। अर्थिंग की जांच हर छह महीने में करते रहें।

राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन योजना के तहत मिले लोन से श्रीमती बबीता ने पेश की महिला सशक्तिकरण की अनोखी मिसाल



सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले की आष्टा तहसील में रहने वाली श्रीमती बबीता कुंभकार कभी एक साधारण गृहिणी थीं, जो अपने पति की एक छोटी सी किराना दुकान से अपने परिवार की जरूरतें पूरी करने में सहयोग कर रही थीं। उनकी मासिक आमदनी सिर्फ 05 हजार

रुपये थी, जिससे घर चलाना मुश्किल होता जा रहा था। श्रीमती बबीता बहुत समय से अपनी इस दुकान सामान बढ़ाने और दुकान के स्तर को बढ़ाने के बारे में सोच रही थीं, पर कमजोरी आर्थिक स्थिति के कारण उनका यह प्रयास सफल नहीं हो पा रहा थे।श्रीमती बबीता को एक राष्ट्रीय

रखना शुरू किया। धीरे-धीरे उनकी मेहनत रंग लाने लगी। पहले जो दुकान सिर्फ रोजमर्रा का गुजारा करती थी, अब एक चलती-फिरती दुकान बन गई। अब उनकी मासिक आमदनी 10 हजार रुपये से 15 हजार रुपये तक पहुंच गई है। वे सिर्फ आर्थिक रूप से नहीं, बल्कि मानसिक रूप से भी सशक्त हुई हैं। आज श्रीमती बबीता कुंभकार लखपती दीदी के नाम से जानी जाती हैं। श्रीमती बबीता दूसरी महिलाओं को भी स्व सहायता समूहों से जुड़ने और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित कर रही हैं। श्रीमती बबीता कहती हैं कि अगर हम खुद पर विश्वास करें और साथ मिलकर चलें, तो कोई भी कार्य कठिन नहीं होता। श्रीमती बबीता कुंभकार की यह कहानी अनेकों महिलाओं के लिए सम्मान और आत्मविश्वास को तो प्रेरित करती ही है, बल्कि महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देती है। श्रीमती बबीता कुंभकार ने इस योजना के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को धन्यवाद दिया है।

श्रम कल्याण हॉल सारणी में नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण शिविर संपन्न बैतूल (निप्र)। जिले के श्रम कल्याण हॉल सारणी में एक दिवसीय नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन शनिवार को किया गया। कार्यक्रम में पीसी सुनीता पट्टे, हवलदार अनुदेशक श्री बलिराम सरयाम, होमागार्ड तथा एसडीआईआरएफ के जवानों द्वारा डब्ल्यूसीएल के अधिकारी और कर्मचारी, एमपीडीबी के कर्मचारी, सुरक्षा गार्ड, कोटवार सहित कुल 107 सिविल डिफेंस वालंटियर्स को आंतरिक सुरक्षा के अंतर्गत नागरिक सुरक्षा की भूमिका, प्रकार तथा इसकी विभिन्न सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। प्रतिभागियों को यह बताया गया कि किस प्रकार आपातकालीन परिस्थितियों में नागरिक सुरक्षा बल प्रभावी भूमिका निभाते हैं। प्रशिक्षण के दौरान हवाई

अथवा 1099 पर कॉल किया जा सकता है। वहीं एनएचआई के 1033 पर सम्पर्क कर एम्बुलेंस की सुविधा अविलम्ब प्राप्त की जा सकती है इसके अलावा टोल प्लाजाओं पर दी जाने वाली सुविधाओं के संबंध में जानकारीयें साझा की गई हैं। बैठक में एनएच, पीएमजीएसबाय, पुलिस हाउसिंग बोर्ड, आर्खुएस, पीडब्ल्यूडी, सडक व भवन, एमपीआरडीसी, पीडब्ल्यूडी बिज, एनएचएआई और मध्यप्रदेश हाउसिंग बोर्ड के माध्यम से जिले में सम्पादित कराए जा रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि टोल फ्री नम्बर का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार कराया जाए ताकि सडक पर कहीं किसी भी प्रकार की कोई दुर्घटना घटित होती है तो घायलों को अविलम्ब चिकित्सीय सुविधा मिल सके। बैठक में बताया गया कि सडक दुर्घटना में सम्पर्क करे इसके लिए 100 डायल, 108

निर्माण कार्यों की समीक्षा



विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज जिले में क्रियान्वित निर्माण कार्यों की समीक्षा कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में

की। उन्होंने विभागों के अधिकारियों के निर्देशित किया है कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की कोताही नहीं बरती जाए। निर्माण कार्यों पर सतत नजर रखने के भी निर्देश उन्होंने दिए हैं। कलेक्टर श्री गुप्ता ने निर्माण कार्यों के दौरान अन्य विभागों से संबंधित समस्याओं के समाधान के उद्देश्य से आयोजित इस बैठक में उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर बारिश से पहले सभी कार्य पूर्ण कराएं ताकि आवागमन प्रभावित ना हो सके।

साइन बोर्ड

कलेक्टर श्री गुप्ता ने निर्माण एजेन्सी को निर्देश दिए हैं कि निर्माण कार्यों के स्थलो पर सूचना पटल अवश्य लगाएं ताकि निर्माण कार्यों से संबंधित जानकारी सुगमता से प्राप्त हो सके। इसी प्रकार सडको के निर्माण कार्यों के

दौरान किसी भी प्रकार की दुर्घटना ना हो इसके लिए साइन बोर्ड बड़े पैमाने पर ऐसे स्थलों पर लगाएं जहां से सुगमता से देखा जा सके।

एम्बुलेंस

कलेक्टर श्री गुप्ता ने निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक के दौरान नेशनल हाइवे और एमपीआरडीसी के निर्माण कार्य खासकर सडको के निर्माण की समीक्षा के दौरान उन्होंने नियत स्थलो पर एम्बुलेंस रखने की क्रियान्वित प्रक्रिया के संबंध में दिशा निर्देश दिए हैं। कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि टोल फ्री नम्बर का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार कराया जाए ताकि सडक पर कहीं किसी भी प्रकार की कोई दुर्घटना घटित होती है तो घायलों को अविलम्ब चिकित्सीय सुविधा मिल सके।

बैठक में बताया गया कि सडक दुर्घटना में सम्पर्क करे इसके लिए 100 डायल, 108

भाजपा नेता के दबाव में बदला अधिकारी

तबादला सीजन में बुंदेलखंड के एक जिले में अधिकारी की तैनाती को लेकर प्रदेश भाजपा का शीर्ष नेतृत्व का इतना ज्यादा दबाव झेलना पड़ा कि विभाग ने दलित अधिकारी को तबादले के 24 घंटे के भीतरी ही हटाकर बीजेपी के चाहते अधिकारी को वहां पर बैठा दिया। सूत्र बताते हैं कि विभागीय मंत्री की दलित अधिकारी को बदलने की कटाई मंशा नहीं थी लेकिन संगठन के दबाव के आगे उसकी उनकी नहीं चली। मंत्री



मोहन का मंत्रालय आशीष चौधरी

को दबाव में दलित अधिकारी को बदलने का फैसला लेना पड़ा। संगठन ने वहां जिस अधिकारी की पोस्टिंग कराई है उसको लेकर विभाग में काफी विरोध है, यह बात संगठन के नेता भी जानते थे लेकिन भाजपा नेता के कार्यालय से जुड़ा मसला होने के कारण दलित अधिकारी को वहां से हटकर चाहते अधिकारी को पोस्टिंग दी गई। बता दें कि संगठन में जातिवाद को लेकर बदनाम है भाजपा के पदाधिकारी और जिले में भी उसी जाति के अधिकारी को पदस्थ कराया है। जबकि जिले में दलितों की जनसंख्या भी काफी है वहां का सांसद दलित है।

दतिया में बाइक सवार दंपति को ट्रक ने मारी टक्कर

महिला की मौत, पति घायल; शादी समारोह में शामिल होने झांसी जा रहे थे

दतिया (नप्र)। दतिया के नेशनल हाईवे-44 पर राजघाट कॉलोनी तिराहे के पास बाइक सवार दंपति को अज्ञात ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के मुताबिक ग्राम एआई निवासी रामसिंह अहिरवार अपनी पत्नी अहिल्या (56) के साथ झांसी (उत्तर प्रदेश) शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। रास्ते में अचानक राजघाट कॉलोनी तिराहे के पास तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी।

महिला की मौके पर मौत, पति अस्पताल में भर्ती

हादसे में अहिल्या को गंभीर चोटें आईं। राहगीरों ने तुरंत महिला को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं, पति रामसिंह गंभीर घायल हैं और जिला अस्पताल में उनका इलाज जारी है।

ट्रक चालक फरार, पुलिस जांच में जुटी

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मार्ग कायम कर लिया है और अज्ञात ट्रक की तलाश शुरू कर दी है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। मृतका के परिवार में शोक का माहौल है।

निवेश प्रस्तावों को मूर्तरूप देने सतत संपर्क में रह आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहयोग करें प्रदान : उप मुख्यमंत्री

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने निर्देश दिए हैं कि निवेशकों से नियमित संवाद सुनिश्चित किया जाए और प्रस्तावों को मूर्तरूप देने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान किया जाए। उन्होंने कहा कि निवेशकों से चर्चा कर उनकी ऐसी आवश्यकताओं की पहचान की जाए जिनमें शासन या प्रशासन का सहयोग अपेक्षित है, उनके समाधान के लिए अंतरविभागीय समन्वय किया जाए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंत्रालय भोपाल में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र से संबंधित निवेश प्रस्तावों की वृहद समीक्षा की।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने पूर्व निवेश नीति के पात्र निवेशकों को अनुदान (सब्सिडी) वितरण के लिए प्रशासनिक औपचारिकताओं को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य है कि हर क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण और अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं और प्रदेश को मेडिकल हब के रूप में विकसित किया जाए। बैठक में निवेश प्रस्तावों की प्रगति, भूमि उपलब्धता, नीति लाभ, एवं प्रशासनिक सहयोग पर भी विस्तृत चर्चा हुई।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि नवीन हेल्थ सेक्टर इन्वेस्टमेंट प्रमोशन पॉलिसी - 2025 में प्रदेश के हर क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के विकास हेतु ठोस प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि कैटेगरी 'B' और 'C' शहरों के लिए प्राप्त प्रस्तावों के साथ-साथ वृहद परियोजनाओं पर सुनियोजित योजना बनाकर कार्य किया जाए।

प्रदेश में अब तक स्वास्थ्य अधोसंरचना क्षेत्र के कुल 180 निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनकी कुल अनुमानित लागत 49,990 करोड़ रुपये है। इन प्रस्तावों में कैटेगरी A के लिए 155 प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनकी लागत 47,856 करोड़ रुपये है। कैटेगरी 'B' में 1,911 करोड़ रुपये लागत के 18 प्रस्ताव और कैटेगरी 'C' में 222 करोड़ रुपये के 7 प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

14 से 16 जून तक बीजेपी विधायक-सांसदों का ट्रेनिंग कैंप

पचमढ़ी में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष करेंगे उद्घाटन, समापन में केंद्रीय गृह मंत्री शामिल होंगे

भोपाल (नप्र)। पचमढ़ी में 14 से 16 जून तक बीजेपी के विधायकों सांसदों का ट्रेनिंग कैंप आयोजित होगा। इस ट्रेनिंग कैंप में एमपी बीजेपी के सभी विधायक, मंत्री और लोकसभा, राज्यसभा के सांसद शामिल होंगे। उद्घाटन में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा आयेंगे। वहीं, समापन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शामिल होंगे।

विधायकों, सांसदों को 5 साल में दिया जाता है प्रशिक्षण

विधानसभा और लोकसभा चुनाव के बाद नवनिर्वाचित विधायकों, सांसदों को भाजपा 5 साल में एक बार प्रशिक्षण देने का कार्यक्रम आयोजित करती है। यह ट्रेनिंग कैंप इस साल की शुरुआत में होना था। लेकिन संगठन चुनाव के चलते इसे आगे बढ़ा दिया गया था।



ACR पर लगा झटका

सुप्रीम कोर्ट के ताजा फैसले ने मध्य प्रदेश के आईएफएस केन्द्र के अधिकारियों को बड़ी राहत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने आईएएस अधिकारियों द्वारा आईएफएस अधिकारियों की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट लिखने का अधिकार छीन लिया है और IFS अधिकारी की गोपनीय रिपोर्ट लिखने के मध्य प्रदेश सरकार के जून 2024 के आदेश को रद्द कर दिया है। अब आईएफएस अधिकारी की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट (एससीआर) इसी केन्द्र के वरिष्ठ आईएफएस अधिकारी ही लिख सकेंगे। सुप्रीम कोर्ट के इस ताजा फैसले से आईएएस अधिकारियों में जरूर निराशा होगी लेकिन कोर्ट का यह फैसला अन्य राज्यों के लिए भी नजीर बन सकता है। मप्र के लिये केवल वन विभाग के विभागाध्यक्ष के लिए यह व्यवस्था नहीं रहेगी और उनकी ACR, मुख्य सचिव स्तर के अधिकारी ही लिखेंगे।

उप राष्ट्रपति धनखड़ ने कृषि उद्योग समागम 2025 कृषि प्रदर्शनी का किया शुभारंभ

जैविक उत्पादों, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण नवाचारों की प्रशंसा की

भोपाल (नप्र)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नरसिंहपुर में कृषि उद्योग समागम-2025 में कृषि प्रदर्शनी का शुभारंभ किया।

कृषि प्रदर्शनी में आधुनिक कृषि तकनीकों, यंत्रों और नवाचारों का प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनी में ड्रोन आधारित कृषि तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस युक्त उपकरण, पॉवर स्प्रेयर, सूक्ष्म सिंचाई संयंत्र, जैविक एवं नैचो फर्टिलाइजर सहित विविध नवीनतम संसाधनों को प्रदर्शित किया गया। उपराष्ट्रपति श्री धनखड़ ने सभी स्टॉलों का अवलोकन कर विकसित की गई तकनीकों की प्रशंसा की। उप राष्ट्रपति ने प्रदर्शनी में कृषकों से प्रत्यक्ष संवाद कर उत्पादों की



बढ़ सकती है तबादलों की तारीख

राज्य सरकार सामान्य तबादलों पर छूट की तारीख 10 दिन बढ़ा सकती है। हालांकि कैबिनेट निर्णय के अनुसार 1 से 30 मई तक सामान्य तबादलों पर छूट है लेकिन अधिकांश विभागों की तबादला सूची अभी तक जारी नहीं हुई है और सामान्य तबादलों पर छूट की आखिरी तारीख नजदीक आ गई है। इधर शासन-प्रशासन का अमला पूरी तरह 30 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भोपाल दौरे पर केंद्रित हो गया है। मंत्रियों को भी सरकार ने जिम्मेदारी सौंप दी है। ऐसी स्थिति में विभागों की तबादला सूची अभी अंतिम रूप से तैयार नहीं हुई है और उसे सूची पर विभागीय मंत्री का प्रशासकीय अनुमोदन होना है। समय अभाव को देखते हुए राज्य सरकार सामान्य तबादलों पर 10 जून तक छूट बढ़ा सकती है।

गुणवत्ता, तकनीक एवं विपणन के विषय में जानकारी ली तथा उनके नवाचारों की सराहना की। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं के प्रयासों की सराहना की एवं उन्हें आत्मनिर्भर भारत अभियान के लिए सशक्त कड़ी बताया। पशुपालन विभाग द्वारा आचार्य गोवंश संवर्धन योजना के अंतर्गत प्रदर्शनी में भारतीय उन्नत नस्ल की दुधारू गायों का प्रदर्शन किया गया। इसमें गिर नस्ल की उस गाय को विशेष रूप से प्रस्तुत किया गया, हाल ही में आयोजित भारतीय उन्नत नस्ल की दुधारू गाय प्रतियोगिता 2025 में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उपराष्ट्रपति श्री धनखड़ ने स्वयं गाय को चारा खिलाकर गौसंवर्धन के प्रति अपनी संवेदनशीलता प्रदर्शित की।

पटवारी ने ली रिश्तत, पिता चबा गए सारे नोट

छतरपुर में लोकायुक्त की टीम ने मुंह खोलकर निकालने की कोशिश की ; अल्ट्रासाउंड करवाना पड़ा



पंकज दुबे, आरोपी

छतरपुर (नप्र)। सागर लोकायुक्त की टीम ने नौगांव में सोमवार सुबह पटवारी की 5 हजार की रिश्तत लेते पकड़ा। पटवारी ने यह रिश्तत जमीन के सीमांकन के लिए मांगी थी। जैसे ही किसान ने पटवारी को घर पर जाकर रिश्तत की राशि दी। टीम पीछे से पहुंच गई। यह देख घर में हड़कंप मच गया। पटवारी के पिता ने दराज से रिश्तत के रुपए निकले और टीम के सामने ही उसे चबा लिया। टीम ने तत्काल मुंह खोलकर रुपए निकालने की कोशिश, लेकिन नाकाम रहे। इस दौरान धक्कामुक्की भी हुई। पुलिस के पहुंचने बाद टीम बुजुर्ग को अस्पताल लेकर पहुंची और अल्ट्रासाउंड करवाया।

सीमांकन के लिए 10 हजार की रिश्तत मांगी थी- पटवारी पंकज दुबे नौगांव के करारा हत्का में पदस्थ है। लोकायुक्त की टीम सुबह ने नौगांव में उसके बिजली ऑफिस के बगल में स्थित घर पर ये कार्रवाई की। नैगुवा ग्राम पंचायत के किसान दयाराम

राजपूत से पटवारी ने सीमांकन के एवज में 10 हजार की रिश्तत मांग की थी।

बाद में पटवारी ने 26 मई को 5 हजार रुपए देने को कहा था। परेशान किसान ने 19 तारीख को सागर लोकायुक्त को इसकी शिकायत की। टीम ने 20 तारीख को इसकी रिकॉर्डिंग करवाई और मामले को जांच में लिया। 26 तारीख को रुपए देकर किसान को टीम ने योजनाबद्ध तरीके से पटवारी के घर भेजा।

टीम के सामने निगला पिता ने पेसा- सुबह करीब 10 बजे जैसे ही किसान पटवारी के घर पहुंचा और उसे 5 हजार रुपए दिए। पटवारी ने उसे तत्काल दराज में रख दिया। इसी दौरान लोकायुक्त टीम भीतर दाखिल हुई। किसान के दराज की ओर इशारा करने पर टीम उन रुपयों को निकालती, इसके पहले ही पटवारी के पिता देवीदीन दुबे तेजी से दराज की ओर दौड़े। उन्होंने रुपए निकाले और टीम के सामने ही मुंह में डाल लिया।

संगठन की मजबूती के लिए कार्यकर्ताओं से सतत संपर्क बनाए रखें

देवी अहिल्याबाई होल्कर ने समाज को सफल नेतृत्व दिया : हितानंद



संगठन कार्यों में बढ़े सभी की सहभागिता- भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री श्री हितानंद जी ने बैठकों को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों के साथ संपर्क और संवाद बढ़ाने के लिए टिफिन पार्टी अच्छा माध्यम हो सकता है। इस दौरान विचारों का आदान-प्रदान करें तथा कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक गतिविधियों से जोड़ने का प्रयास करें। इससे संगठन के कार्यों में सभी

मुरैना में डबल मर्डर, चाचा-भतीजे को गोली मारी

अवैध शराब पकड़ने निकले थे ; दूसरे गुट ने ताबड़तोड़ फायरिंग की

मुरैना (नप्र)। मुरैना के सिहौनिया थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह दो शराब कारोबारियों की गोली मारकर हत्या हो गई। पहले खबर आई थी कि दोनों ने एक-दूसरे पर गोली चलाई थी। बाद में पता चला कि मिरघान गांव निवासी बंटी भदौरिया और भोला भदौरिया रिश्ते में चाचा-भतीजे थे, जिन्हें किसी और ने गोली मारी है। घटना आज (सोमवार) सुबह करीब 8 बजे भाई खां का पुरा गांव के पास हुई।



जानकारी के मुताबिक बंटी, भोला का चाचा था। बंटी को सोमवार सुबह किसी ने फोन पर जानकारी दी कि कोई अवैध शराब लेकर आ रहा है। यह सुनकर भोला भी बंटी के पास पहुंचा। दोनों फोन पर बताई जाह के लिए कार से खाना हो गए।

वे सिहौनिया थाना क्षेत्र के भाई खां का पुरा गांव पहुंचे। यहां अवैध शराब कारोबार से जुड़े दूसरे ग्रुप के प्रदीप तोमर, लुक्का तोमर और ललकी पंडित पहले से मौजूद थे। दोनों गुट एक-दूसरे से विवाद करने लगे। इसी बीच बंटी की ओर से फायरिंग हुई, ये देखकर विरोधी गुट ने भी गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें बंटी और भोला की मौत हो गई।

मृतक बंटी अवैध शराब का सिडिकेट चलाता था

जानकारी के मुताबिक मुरैना जिले का शराब का ठेका राजा परमार नाम के कारोबारी के पास है। बंटी भदौरिया अपने भतीजे भोला भदौरिया के साथ मिलकर अवैध शराब का सिडिकेट चलाता था। विरोधी पार्टी के प्रदीप तोमर, लुक्का तोमर और ललकी पंडित भी अवैध शराब का कारोबार करते हैं। दोनों पक्षों के बीच पहले भी कई बार झड़प हो चुकी है।

कटारे बोले-कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी

एमपी विधानसभा में उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा- मध्यप्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। मुरैना जैसे संवेदनशील जिले में दिनदहाड़े सरेंआम गोलीबारी की घटना कोई सामान्य बात नहीं, यह सरकार की नाकामी का प्रतीक है।

पटवारी के पिता ने की झुमाझटकी

टीम ने रुपए निगलते देख तत्काल उन्हें रोकने की कोशिश की। उनकी गर्दन पकड़कर मुंह खोलने का प्रयास किया, लेकिन वे नाकाम रहे। देवीदीन रुपए निकल चुके थे। मुंह खोलते समय देवीदीन ने टीम से झुमाझटकी भी की। इसके टीम ने पुलिस को मौके पर बुलाया। नौगांव थाना प्रभारी सतीश सिंह सहित बल के साथ मौके पर पहुंचे। टीम ने सबूत के तौर पर पटवारी के घर में लगे सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर और अन्य रिकॉर्ड जब्त किया। इसके बाद देवीदीन को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे, यहां अल्ट्रासाउंड करवाया गया।

बाप-बेटा दोनों को आरोपी बनाया गया

सागर लोकायुक्त इंस्पेक्टर केपीएस वैन ने बताया कि 19 मई को शिकायत मिली थी। 20 मई को रिकॉर्डिंग करवाई जिसमें 5000 देने की बात की गई थी। 26 तारीख का समय दिया गया था। दोनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

संगठन की मजबूती के लिए कार्यकर्ताओं से सतत संपर्क बनाए रखें

देवी अहिल्याबाई होल्कर ने समाज को सफल नेतृत्व दिया : हितानंद

छिंदवाड़ा। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री श्री हितानंद जी ने सोमवार को छिंदवाड़ा भाजपा कार्यालय में जिला कोर कमिटी, मंडल अध्यक्षों एवं भाजपा के वरिष्ठ नेताओं सहित जिला पदाधिकारी, मोर्चा अध्यक्षों की बैठक को संबोधित कर चौराई में देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित किया। पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री श्री हितानंद जी ने कहा कि हमें संगठन की और अधिक मजबूत बनाने के लिए काम करना है। संगठन की मजबूती के लिए हमें कार्यकर्ताओं के साथ लगातार संपर्क और संवाद बनाए रखना है। देवी अहिल्याबाई होल्कर ने समाज व राष्ट्र उत्थान के कार्यों में आदर्श स्थापित किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में राष्ट्र निर्माण की नीतियां देवी अहिल्याबाई होल्कर से प्रेरित हैं।

